Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 54 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, गुरुवार 27 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

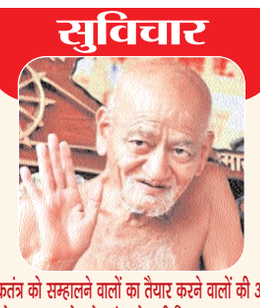

आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right derection to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

नेपाल में बाढ़ से तबाही, हजारों लापता, 95 मौतें

■ 133 भारतीय पर्यटक लापता

■ पावर प्लांट-पुल टूटे

काठमांडू। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचा दी। सुबह 9 बजे तिब्बत की दिशा से भोटेकोशी नदी में अचानक पानी का तेज बहाव आया जिसमें कई इलाके चपेट में आ गए। नेपाली मीडिया के मुताबिक, अब तक 55 लोगों की मौत की खबर है। नेपाल के पर्यटन विभाग के मुताबिक 500 से ज्यादा लोगों का पता नहीं चल रहा है। इनमें 105 भारतीय समेत 291 विदेशी पर्यटक हैं। इधर, यूपी के बहराइच में नेपाल की ओर से तेज बहाव में बहकर 5 जंगली हाथी घाघरा बैराज पहुंच गए। झुंड में 3 बच्चे भी हैं। नेपाली अधिकारियों के मुताबिक एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि जिस ग्लेशियल झील के फटने से अचानक बाढ़ आई थी, वहां अभी भी करीब 7 मीटर ऊंचा पानी का बांध बना हुआ है। यह कभी भी टूट सकता है। आपदा के दौरान घने जंगल से ढके पहाड़ की खड़ी ढलान पर बड़े पैमाने पर भूस्खलन होता दिखाई दे रहा है। मलबे के साथ धूल का एक बड़ा गुबार तेजी से नीचे की ओर बढ़ रहा है। आपदा के दौरान घने जंगल से ढके पहाड़ की खड़ी ढलान पर बड़े पैमाने पर भूस्खलन होता दिखाई दे रहा है। मलबे के साथ धूल का एक बड़ा गुबार तेजी से नीचे की ओर बढ़ रहा है। बाढ़ के तेज बहाव में कई पुल बह गए। इससे आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई और स्थानीय जिला मुख्यालयों तथा बस्तियों से जुड़ने वाले हाईवे संपर्क टूट गए।

बाढ़ का असर रसुवा से नुवाकोट, धादिंग होते हुए चितवन तक देखा गया। रसुवा में टिमुरे, स्यापरुबेसी, हाकुबेसी, मेलुंग, सल्लेटार, शांतिबाजार, पैरेबेसी, खाल्टी बस्ती और बेत्रावती समेत करीब एक दर्जन बस्तियां प्रभावित हुईं। बाढ़ धादिंग के गल्छी तक पहुंची और आगे मुग्लिन की ओर बढ़ने की चेतावनी दी गई। बेत्रावती से रसुवागढ़ी-तिब्बत सीमा तक करीब 42 किमी सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुई। इसके अलावा स्यापरुबेसी से सीमा तक 16 किमी सड़क को भी नुकसान पहुंचा। सीतामढ़ी और शिवहर पर भी नजर है। नेपाल का पानी त्रिशूली नदी से होते हुए गंडक तक पहुंचेगा। इसके बाद बिहार के निचले इलाकों में पानी बढ़ सकता है। अगले 5-6 घंटे अहम बताए गए हैं। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि इन सभी इलाकों में बाढ़ आएगी ही।

पीएम मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से की बात, बाढ़ पीड़ितों के प्रति जताई संवेदना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से फोन पर बात की और नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जानमाल की हानि पर संवेदना व्यक्त की। मोदी ने कहा कि इस कठिन समय में भारत के लोग नेपाल में अपने भाई-बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने दोहराया कि भारत नेपाल को हरसंभव मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारतीय दल बचाव और राहत प्रयासों में नेपाली अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से बात की और नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जानमाल की हानि पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में भारत के लोग नेपाल में अपने भाई-बहनों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत नेपाल को हरसंभव मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के दल बचाव और राहत प्रयासों में निकटता से समन्वय कर रहे हैं।

नेपाल की बाढ़ से गंडक नदी में अचानक पानी बढ़ा

■ बैराज के 36 गेट खोले गए, मोतिहारी-गोपालगंज समेत बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट

पटना। नेपाल के रसुवा जिले में बाढ़ से तबाही के बाद बिहार की गंडक नदी में अचानक पानी बढ़ गया। बिहार के बागहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, इस बाढ़ के बाद गंडक में 3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, फ्लैश फ्लड आने की भी आशंका है। बिहार के 8 जिलों में हाईअलर्ट जारी किया गया है। ये जिले पश्चिमी चंपारण (बगहा), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर हैं। बिहार के ष्टरूसम्राट चौधरी ने अधिकारियों के साथ बैठक की। अधिकारियों को अलर्ट रहने और स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ष्टरूसम्राट चौधरी को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए को भी तैनात किया जा रहा है। नेपाल से आने वाले पानी की चौड़ाई 22 मीटर, गंडक नदी की 200 मीटर: नेपाल से आने वाले पानी का करंट काफी तेज है। जिस नदी से पानी आ रहा है, उसकी चौड़ाई करीब 22 मीटर है, जबकि गंडक नदी करीब 200 मीटर चौड़ी है। आगे चलकर यह पानी गंडक और कोसी नदी में बंटेगा।

गंडक में 3-4 लाख क्यूसेक पानी आने का अनुमान: फिलहाल गंडक नदी में करीब 3 से 4 लाख क्यूसेक पानी आने का अनुमान है। नदी की चौड़ाई अधिक होने के कारण इतनी मात्रा से बड़े असर की आशंका नहीं है। हालांकि, गंडक के तेज बहाब को देखते हुए आसपास के गांवों को खाली कराया गया है। नावों के परिचालन पर भी रोक है। वाल्मीकिनगर गंडक बैराज को करीब 8.5 लाख क्यूसेक पानी का दबाव झेलने के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इसलिए 3 से 4 लाख क्यूसेक पानी आने पर फिलहाल बैराज पर खतरे की आशंका नहीं है।

कलेक्टर गौरव सिंह ने बैठक लेकर अधिकारियों को दी सख्त हिदायत

■ पेंडिंग मामलों का जल्द करें निराकरण, लोक सेवा गारंटी अधिनियम का पालन जरूरी

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए आरबीसी के सभी लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने को कहा। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने सभी विभागों को लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग लोक सेवा गारंटी अधिनियम का पालन करें। तय समय में काम पूरा नहीं करने पर संबंधित विभाग के खिलाफ कार्रवाई और जुर्माना लगाया जाएगा। कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए आरबीसी के सभी लंबित मामलों का जल्द निराकरण करने को कहा। इसके साथ ही अविवादित खाता विभाजन और नामांतरण के दर्ज मामलों पर भी समय पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आम लोगों से जुड़े राजस्व मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। बैठक में प्रोजेक्ट पुनर्जीवन की भी समीक्षा की गई।

आदिवासी समाज ही जल, जंगल और जमीन का सच्चा रक्षक: सांसद बृजमोहन अग्रवाल

■ ग्राम ढाबाडीह (लक्ष्मणा धाम) में आयोजित 'विश्व आदिवासी परब (तिहार)' में शामिल हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर/भाटापारा (विश्व परिवार)। बुधवार को आदिवासी गोंड समाज मावली महासभा सिंगारपुर द्वारा ग्राम ढाबाडीह, लक्ष्मणा धाम बलौदा बाजार भाटापारा में 'विश्व आदिवासी परब (तिहार)' का भव्य आयोजन किया गया। इस गौरवशाली कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के आराध्य 'बूढ़ा देव' और 'मावली माता' के पूजन के साथ हुआ।

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि आज यदि छत्तीसगढ़ के बस्तर, सरगुजा सहित समूचे प्रदेश में जल, जंगल और जमीन सुरक्षित हैं, तो इसका पूरा श्रेय आदिवासी समाज को जाता है। आदिवासी समाज केवल प्रकृति का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसका सच्चा पूजक और रक्षक है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जंगलों की अंधाधुंध कटाई और पानी के दुरुपयोग के कारण मौसम का चक्र प्रभावित हो रहा है। पहले जहां 50 फीट पर पानी मिल जाता था, आज 500 से 1000 फीट नीचे जाने पर भी जल संकट बना हुआ है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से जल संरक्षण, सोख्ता गड्ढों के निर्माण और अधिक से अधिक वृक्षारोपण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

रक्षाबंधन पर आज से चलेगी स्पेशल ट्रेन

■ रायपुर-बिलासपुर, रायगढ़ और दुर्ग के यात्रियों को मिलेगी सुविधा

■ 27 से 29 अगस्त तक लगाएगी तीन-तीन फेरे

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यानी बिलासपुर रेलवे ने रक्षाबंधन पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दुर्ग-रायगढ़-दुर्ग के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 27, 28 और 29 अगस्त को दोनों दिशाओं में 3-3 फेरे लगाएगी। सभी मध्यवर्ती स्टेशनों पर ट्रेन का ठहराव रहेगा। इससे रक्षाबंधन पर्व पर यात्रा करने वाले भाई-बहनों को आने-जाने में सुविधा होगी। रेलवे अफसरों के मुताबिक, भाई-बहन के स्नेह और विश्वास के पर्व रक्षाबंधन पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। ट्रेन चलने से रक्षाबंधन पर परिवार और प्रियजनों से मिलने जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी।

27 से 29 अगस्त तक चलेगी रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेन

स्पेशल 27, 28 और 29 अगस्त को दुर्ग से रायगढ़ के लिए चलेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 08833 रायगढ़-दुर्ग रक्षाबंधन स्पेशल 27, 28 और 29 अगस्त को रायगढ़ से दुर्ग के लिए चलेगी। इस स्पेशल ट्रेन का दुर्ग-रायगढ़-दुर्ग के सभी मध्यवर्ती स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। इससे सभी स्टेशनों के यात्रियों को यात्रा की सुविधा मिलेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 8 सामान्य श्रेणी के कोच और 2 एसएलआरडी कोच सहित कुल 10 कोच रहेंगे।

गाड़ी संख्या 08834 दुर्ग-रायगढ़ रक्षाबंधन स्पेशल 27, 28 और 29 अगस्त 2026 को दुर्ग से सुबह 10.30 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन मार्ग के सभी मध्यवर्ती स्टेशनों पर रुकते हुए बिलासपुर 14.45 बजे, अकलतरा 15.27 बजे, जांजगीर-नैला 15.44 बजे, चांपा 15.55 बजे, बाराद्वार 16.13 बजे, सक्ती 16.59 बजे और खरसिया 17.16 बजे पहुंचेगी। इसके बाद रायगढ़ 19.00 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 08834 दुर्ग-रायगढ़ रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेन दर्शाता है।

रक्षा क्षेत्र में घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में 'एक महत्वपूर्ण उपलब्धि'

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की प्रौद्योगिकी भारतीय रक्षा उद्योग को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी है, ताकि देश में ही इनका उत्पादन किया जा सके। इस पहल के तहत, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) पात्र रक्षा कंपनियों को मिसाइल प्रौद्योगिकी सौंपेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह कदम रक्षा क्षेत्र में घरेलू उद्योगों की अधिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में ''एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।'' मंत्रालय ने कहा, यह प्रावधान मिसाइल प्रणालियों के विकास से औद्योगिक उत्पादन तक सफलतापूर्वक पहुंचने में मदद करेगा। यह उन्नत रक्षा प्रणालियों के विकास और निर्माण में भारतीय उद्योग की क्षमताओं का लाभ उठाने के लिए डीआरडीओ के लगातार किए जा रहे प्रयासों को दर्शाता है।

रेल मंत्री ने हाई डेंसिटी रेल नेटवर्क को चार लेन करने की योजना बनाई

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सात हाई डेंसिटी वाले रेलवे मार्गों के विस्तार और महत्व की रूपरेखा प्रस्तुत की, जो भारत के कुल रेल यातायात का एक बड़ा हिस्सा वहन करते हैं। लगभग 11,000 किलोमीटर में फैले ये मार्ग कुल रेल यातायात का लगभग 41त्न वहन करते हैं, जबकि ये रेलवे नेटवर्क के केवल 16त्न हिस्से में फैले हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के तहत, भारतीय रेल यात्रियों और माल की देशभर में बढ़ती आवाजाही को समर्थन देने तथा क्षमता बढ़ाने के लिए पूरे उच्च-घनत्व वाले नेटवर्क को चार लेन करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मुख्य बिंदु

सात हाई डेंसिटी वाले मार्ग भारत के कुछ सबसे बड़े शहरों और क्षेत्रों को जोड़ते हैं, जिनमें शामिल हैं: दिल्ली-हावड़ा, हावड़ा-चेन्नई, चेन्नई-मुंबई, मुंबई-दिल्ली, दिल्ली-चेन्नई, मुंबई-हावड़ा, दिल्ली-गुवाहाटी, चल रहे विस्तार कार्यों का उद्देश्य हाई डेंसिटी वाले नेटवर्क पर चार रेलवे लाइनें तैयार करना है, जिससे देश के कुछ सबसे व्यस्त मार्गों पर क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

श्री वैष्णव ने रेल परिवहन के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभों पर भी प्रकाश डाला।

इन हाई डेंसिटी वाले मार्गों का विस्तार महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे पूरे रेलवे नेटवर्क में अधिक क्षमता सृजित करने में मदद मिलेगी तथा भविष्य में यात्री और माल यातायात की वृद्धि को समर्थन मिलेगा।

ई-बसों से बदलेगी शहरों की पब्लिक ट्रांसपोर्ट की तस्वीर

■ 240 बसों के संचालन के लिए बनी रणनीति

■ रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में चलेंगी ई-बसें

रायपुर (विश्व परिवार)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने आज केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक श्री भानु प्रताप सिंह भदौरिया के साथ नगरीय प्रशासन एवं सूडा के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में ई-बस सेवा की संचालन व्यवस्था, विस्तार, रूट प्लानिंग, बस स्टॉप, डिपो, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत छत्तीसगढ़ के चार नगर निगमों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में कुल 240 इलेक्ट्रिक बसों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इनके संचालन से इन चारों शहरों में स्वच्छ एवं आधुनिक सार्वजनिक परिवहन के साथ नागरिकों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के संचालन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक भानु प्रताप सिंह भदौरिया ने कहा कि ई-बस सेवा के रूट का निर्धारण शहरों की वास्तविक परिवहन आवश्यकताओं और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ का पहला पूर्णत: डिजिटल टोल प्लाजा

■ लोकल मासिक पास भी हुआ पूरी तरह ऑनलाइन, टोल प्लाजा जाने की जरूरत नहीं

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा को अधिक सुगम, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने एक नई उपलब्धि हासिल की है। बिलासपुर-रायगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर स्थित केसला टोल प्लाजा प्रदेश का पहला पूरी तरह डिजिटल टोल प्लाजा बन गया है, जहां टोल भुगतान की डिजिटल व्यवस्था के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों के लिए लोकल मासिक पास की सुविधा भी पूरी तरह ऑनलाइन उपलब्ध करा दी गई है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा देशभर के चयनित टोल प्लाजा पर शुरू की गई फास्टैग डिजिटल लोकल पास सुविधा के तहत छत्तीसगढ़ में केसला टोल प्लाजा को इस नई व्यवस्था से जोड़ा गया है। अब स्थानीय यात्रियों को मासिक पास बनवाने के लिए टोल प्लाजा पर व्यक्तिगत रूप से जाने अथवा भौतिक दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। पात्र नागरिक अपने मोबाइल फोन के माध्यम से 'राजमार्ग यात्रा' एप या एनएचएआई के आधिकारिक वेब पोर्टल के जरिए घर बैठे डिजिटल लोकल पास के लिए आवेदन कर सकेंगे।

20 किलोमीटर के दायरे में रहने वालों को सुविधा डिजिटल लोकल पास योजना के तहत संबंधित टोल प्लाजा के 20 किलोमीटर के दायरे में निवास करने वाले पात्र स्थानीय नागरिक ऑनलाइन माध्यम से मासिक लोकल पास के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पात्र उपयोगकर्ताओं को संबंधित टोल प्लाजा से मासिक आधार पर यात्राओं की सुविधा मिलेगी। नेशनल हाइवे यूजर फीस नियमों के तहत गैर-व्यावसायिक (नॉन-कमर्शियल) वाहनों के लिए मासिक लोकल पास का शुल्क 350 रुपए निर्धारित किया गया है। टोल प्लाजा से सुगम और बिना किसी बाधा के आवाजाही के लिए यह पास अनिवार्य होगा, जिससे पात्र स्थानीय यात्री आसानी से टोल पार कर सकेंगे।

डिजिटल लोकल पास व्यवस्था को डिजीलॉकर, वाहन संबंधी सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म और लिंक किए गए फास्टैग जैसी प्रणालियों के साथ सहमति-आधारित डिजिटल एकीकरण से जोड़ा गया है। इसके माध्यम से आवेदक के आवासीय पते, वाहन विवरण और अन्य आवश्यक जानकारियों का डिजिटल सत्यापन किया जा सकेगा। पात्रता का निर्धारण भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित तकनीक से भी किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवेदक का पंजीकृत पता संबंधित टोल प्लाजा के निर्धारित 20 किलोमीटर के दायरे में स्थित है या नहीं।

कर्नाटक में पूरा वंदेमातरम नहीं गाया जाएगा

■ सीएम शिवकुमार बोले- हम पार्टी के फैसले के साथ, भाजपा तुष्टीकरण की राजनीति करती है

बेंगलुरु। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा, 'कर्नाटक के सरकारी कार्यक्रमों में अब वंदे मातरम के सिर्फ शुरुआती दो पैरा ही गाए जाएंगे।'

उन्होंने इंडिया टुडे के कार्यक्रम में बताया कि 15 अगस्त के कार्यक्रम में उनकी जानकारी के बिना पूरा वंदे मातरम गाया गया था। यह भी कहा कि वे अपनी पार्टी की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। पार्टी के फैसले पर कायम रहेंगे। दरअसल, कांग्रेस वर्किंग कमेटी यानी ष्टह्लष्ट ने 19 अगस्त को ऐलान किया था कि पार्टी अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के 6 में से सिर्फ शुरुआती दो पैरा ही गाएगी। यह फैसला 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम गान को लेकर हुए विवाद के बाद आया। भाजपा ने कांग्रेस पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाया था। वंदे मातरम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद 15 अगस्त को शुरू हुआ। भाजपा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर सोनिया गांधी ने इसे रोकने की कोशिश की। भाजपा ने इसका वीडियो भी ङ्क पर शेयर किया था और दावा किया कि राहुल गांधी भी पूरे गायन के दौरान परेशान दिखे। भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस ने सफाई दी थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस मुख्यालय में पूरा वंदे मातरम गाया गया था और इसे रोकने की कोई कोशिश नहीं हुई।

तेलंगाना में बस और ट्रक की टक्कर, 6 की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बुधवार सुबह एक इलेक्ट्रिक बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 5 महिलाएं हैं। वहीं 12 लोग घायल हैं। बस में 43 यात्री सवार थे और यह हैदराबाद से आंध्रप्रदेश के एलुरु जा रही थी। हादसा सुबह करीब 5:15 बजे हैदराबाद-विजयवाड़ा नेशनल हाईवे पर कोडाड मंडल में हुआ। पुलिस ने बताया कि ट्रक में लोहे के भारी पिलर लदे थे। बस के ट्रक से टकराते ही पिलर को बांधकर रखने वाली चेन टूट गई। इसके बाद पिलर बस की दाईं तरफ जा घुसे। पुलिस के मुताबिक, बस के आगे बैठे लोगों की इसी वजह से मौत हुई।

साइबर जागृति अभियान के तहत जन-जागरूकता कार्यक्रम

अधिकारियों को साइबर अपराधों से बचाव की दी जानकारी

कोण्डागांव (विश्व परिवार)। साइबर अपराधों की रोकथाम और शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कोण्डागांव पुलिस द्वारा साइबर जागृति अभियान के तहत लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर कार्यालय परिसर में जिला स्तरीय अधिकारियों के बीच साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी, अनुविभागीय दंडाधिकारी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट सहित अन्य शासकीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव श्री पंकज चन्द्रा, ढ्ढक्स् ने अधिकारियों को बढ़ते साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी।

कार्यक्रम को रोचक और सहभागितापूर्ण बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों के बीच साइबर सुरक्षा विषय पर क्विक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना विजेता रहीं। वहीं श्री चिन झा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, श्री अंकुर रात्रे, तहसीलदार माकड़ी, श्री मानव विश्वास, जिला समन्वयक अधिकारी तथा श्रीमती रेणु, महिला एवं बाल विकास विभाग ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

अधिकारियों को अज्ञात फोन कॉल, फर्जी लिंक, संदिग्ध मोबाइल एप्लीकेशन, सोशल मीडिया ठगी, बैंकिंग फ्रॉड, ह्रञ्जक्क और अन्य गोपनीय जानकारी साझा करने से होने वाले खतरों के प्रति सचेत किया गया। कार्यक्रम के बाद कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना ने साइबर जागृति अभियान के क्तक्र कोड को स्कैन कर सेल्फी ली और सभी अधिकारी-

कर्मचारियों से साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की अपील की।

स्क्चढ्ढ कलेक्ट्रेट शाखा में भी हुआ साइबर जागरूकता कार्यक्रम

इसी क्रम में भारतीय स्टेट बैंक की कलेक्ट्रेट शाखा, कोण्डागांव में भी पुलिस अधीक्षक श्री पंकज चन्द्रा ने साइबर जागृति कार्यक्रम आयोजित किया। बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फर्जी बैंक कॉल, ह्रञ्जक्क/क्यढ्ढ फ्रॉड, ्यङ्घष्ट अपडेट के नाम पर ठगी, फर्जी लिंक, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन बैंकिंग से जुड़े साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए।

पुलिस अधीक्षक ने बैंक कर्मचारियों से स्वयं सतर्क रहने के साथ-साथ बैंक ग्राहकों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में साइबर जागरूकता क्तक्र कोड स्कैन कर सेल्फी लेकर अभियान में सहभागिता भी सुनिश्चित की गई।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कपिल चन्द्रा, निरीक्षक सौरभ उपाध्याय, रक्षित निरीक्षक मनीष राजपूत सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोण्डागांव पुलिस द्वारा साइबर जागृति अभियान के तहत शासकीय एवं निजी संस्थानों, बैंकों, शैक्षणिक संस्थाओं और सार्वजनिक स्थानों पर लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराएं।

साइबर जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी सुरक्षा कवच है।

महतारी वंदन से हर माह महिलाओं को मिल रहा सम्मान और आर्थिक संबल

जशपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

इन्हीं योजनाओं में से एक महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता का नया आधार बन रही है।

महतारी वंदन योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर माह ?1,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह राशि महिलाओं के लिए केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का माध्यम भी बन रही है। महिलाएं इस राशि का उपयोग अपनी दैनिक जरूरतों, घरेलू सामान और अन्य आवश्यक खर्चों को पूरा करने में कर रही हैं।

कुनकुरी निवासी श्रीमती मंजू खनसारी भी महतारी वंदन योजना की लाभार्थी हैं। उन्हें हर माह योजना के तहत आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है। मंजू बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से उन्हें अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी सहूलियत मिल रही है। पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए परिवार पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए आर्थिक सहयोग का मजबूत माध्यम बन गई है।

मंजू का कहना है कि सरकार की इस पहल से प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत होने का अवसर मिल रहा है। हर महीने मिलने वाली सहायता राशि से महिलाएं अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। यह योजना महिलाओं के जीवन में खुशहाली लाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

महतारी वंदन योजना के माध्यम से सरकार का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें अपने निर्णयों में अधिक सक्षम बनाना है। योजना से मिलने वाला नियमित आर्थिक संबल महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उनके परिवारों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

इस कल्याणकारी योजना के लिए श्रीमती मंजू खनसारी ने माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि महिलाओं के हित में शुरू की गई यह योजना उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है।

‘खेलो इंडिया संवाद’ कार्यक्रम का होगा आयोजन

सारंगढ़ (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय खेल दिवस प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को महान हॉकी खिलाड़ी एवं देश के गौरव मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन 27 अगस्त को देशभर में व्यापक स्तर पर किया जाएगा। इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस को युवा सहभागिता, खेल विकास एवं राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ भव्य रूप से मनाया जा रहा है। इसी क्रम में देशभर में ‘खेलो इंडिया संवाद’ कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य देश के युवा, देश के खिलाड़ी और देश के भविष्य को एक मंच पर

जोडना है। कार्यक्रम के अंतर्गत देश के प्रत्येक जिले के दो महाविद्यालयों में ‘युवा कनेक्ट’ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी के तहत सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले में शासकीय राजमहन्त नायनदास महिलांग महाविद्यालय भटगांव एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से युवाओं को पिछले 12 वर्षों में खेलों के क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण बदलावों एवं विकास से अवगत कराया जाएगा तथा खेल और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर युवाओं के विचार, सुझाव एवं आकांक्षाओं को भी सुना जाएगा।

कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह होगी कि 27 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से देशभर के लगभग 1600 स्थानों पर उपस्थित 8 लाख से अधिक युवाओं को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में मौजूद युवाओं को एक साझा राष्ट्रीय मंच से जोडने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। कार्यक्रम में सभी अतिथियों एवं युवा प्रतिभागियों की उपस्थिति सुबह 10 बजे तक सुनिश्चित की जाएगी। प्रधानमंत्री के संबोधन के पश्चात कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर युवा संवाद पर केंद्रित रहेगा।

दादर रोड हनुमान मंदिर मुख्य मार्ग पर किया गया वृक्षारोपण

कोरबा। '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान अंतर्गत कोरबा के पं. रविशंकर नगर जोनांतर्गत दादर रोड हनुमान मंदिर के समीप मुख्य मार्ग के किनारे वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता देते हुये पौधों का रोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण व हरित कोरबा के संकल्प को गति दी। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वन विभाग के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कोरबा के संकल्प के साथ विगत 18 जुलाई से '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण का कार्य संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत कोरबा के पं. रविशंकर नगर जोनांतर्गत दादर रोड हनुमान मंदिर के समीप मुख्य मार्ग के किनारे वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर उद्यान अधीक्षक आनंद राठौर,

शहीद वीर नारायण सिंह की मूर्ति का अनावरण, सांसद ने दावनबोड़ में फूंका विकास का बिगुल

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर लोकसभा के कर्मठ, जनप्रिय सांसद और विकास पुरुष बृजमोहन अग्रवाल का ग्राम दावनबोड़ (विकासखंड भाटापारा) आगमन पर क्षेत्रवासियों ने ऐतिहासिक और आत्मीय स्वागत किया। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य जनसभा में छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, महान योद्धा अमर शहीद वीर नारायण सिंह जी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह, भगवान बिरसा मुंडा और रानी दुर्गावती जैसे अमर सेनानियों ने जल, जंगल, जमीन और राष्ट्र की अस्मिता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि अकाल के कठिन दौर में गरीबों का पेट भरने के लिए अंग्रेजों के गोदाम तक खोल देने वाले छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, महान योद्धा अमर शहीद वीर नारायण सिंह जी का बलिदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। नई पीढ़ी को इन महानायकों के पदचिन्हों पर चलकर देश और समाज की सेवा का संकल्प लेना चाहिए।

सदैव जनता के सुख-दुख के साथी रहे बृजमोहन अग्रवाल ने ग्रामीणों की मांगों को पूरी तत्परता से सुनते हुए मंच से ही ?50 लाख से अधिक की लागत वाले विभिन्न जनकल्याणकारी निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी।

ग्राम दावनबोड़ में सामुदायिक भवन व मंच निर्माण हेतु ?10 लाख तथा सीमेंट कंक्रीट (ष्टष्ट) सड़क निर्माण हेतु ?5 लाख

हायर सेकेंडरी स्कूल (कोड़िया): छात्रों की सुविधा हेतु भव्य शेड निर्माण के लिए ?10 लाख, ग्राम हीरनभट्ठा में स्कूल में प्रार्थना शेड व अन्य निर्माण कार्यों हेतु ?10 लाख

ग्राम मोभट्ठा में मुक्तिधाम शेड व आवश्यक निर्माण हेतु ?5 लाख, ग्राम रोहला में सीसी रोड निर्माण हेतु ?5 लाख, मुड़पार चौक पर मंच व शेड निर्माण हेतु राशि की स्वीकृति।

श्री अग्रवाल ने गांव में अवैध शराब बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने वाली स्थानीय ‘महिला कमांडो’ के अदम्य साहस की भूरी-भूरी प्रशंसा की और महिला कमांडो को साड़ी के लिए 20 हजार रुपए देने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के सपनों का छत्तीसगढ़ आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सशक्त नेतृत्व में तेजी से गढ़ रहा है। किसानों को ?3100 प्रति क्विंटल धान का मूल्य मिलना और ‘महतारी वंदन योजना’ के माध्यम से माताओं-बहनों का स्वाभिमान लौटना डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी सोच का प्रमाण है।कार्यक्रम में पूर्व विधायक एवं श्री शिव रतन शर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष आनंद यादव, गोविंद वर्मा, शशि आनंद बंजारे, गोपाल शुक्ला, सीता शशिकांत, नारायण साहू, भंवर सिंह मुईके, वेदराम साहू सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, पंच-सरपंच और भारी तादाद में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34865/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 26-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34865
वार्ड का नाम-26-दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 26 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR109B00552** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHANKAR LAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MEGHAU RAM SINHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री मोहित सिन्हा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री मेघऊ सिन्हा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34866/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 26-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34866
वार्ड का नाम-13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR225I00034** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MEERA BAI YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NATHURAM YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती अंजली सोना** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री मोहन सोना** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34868/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 26-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34868
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR235G00370** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **LATE R. L.. MANDAVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HIRA SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री राजेश मंडावी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री आर एल मंडावी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34869/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 26-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34869
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR225A00424** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **VIJAY KUMAR ARORA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARBANS LAL ARORA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री रवि रिहाल पिता - श्री केहर सिंह 2 श्री अभिषेक सिंह रिहाल पिता - श्री कुमार चंद सिंग रिहाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34836/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34836
वार्ड का नाम-69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C0446E** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VEDANT MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHESH NARAYAN MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. NEHA JAISWAL W/O SHRI YOGESH JAISWAL AND SHRI YOGESH JAISWAL S/O SHRI SHEETAL PRASAD JAISWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34837/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34837
वार्ड का नाम-69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B01344** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NIKHIL GIRI GOSHWAMI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHESH GIRI GOSHWAMI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SHIVAM UPASANE S/O SHRI HEMANT UPASANE AND ADITYA UPASANE S/O SHRI HEMANT UPASANE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34840/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34840
वार्ड का नाम-69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C00200** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SEEMA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJIV TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SAGANA BANJARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRI RAJENDRA KUMAR BANJARE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 404 दिनांक 25.08.2026
वार्ड का नाम- मौलाना अदुल रउफ वार्ड
वार्ड क्र. 28 वर्ष- 2026-27

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **28** मांग **पंजी क्र. 286 युआईडी 26037** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **कमल कुमार, अखिलेश्वर / परमानन्द सिंह** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **कमल कुमार/ परानंद सिंह** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **09-09-2026** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 403 दिनांक 25.08.2026
वार्ड का नाम- शहीद कौशल यादव वार्ड
वार्ड क्र. 7 वर्ष- 2026-27

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **7** मांग **पंजी क्र. 490 युआईडी 13526** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **सुनीता देवांगन / स्व. नारायण प्रसाद देवांगन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **नरसिंह सेन / गुहा राम सेन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **09-09-2026** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 402 दिनांक 25.08.2026
वार्ड का नाम- शहीद कौशल यादव वार्ड
वार्ड क्र. 7 वर्ष- 2026-27

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **7** मांग **पंजी क्र. 490 युआईडी 13526** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **श्री नारायण/ चोवा राम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **सुनीता देवांगन / स्व. नारायण प्रसाद देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **09-09-2026** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :

नामांतरण प्रकरण क्र. 401 दिनांक 25.08.2026
वार्ड का नाम- मां शीतला माता वार्ड
वार्ड क्र. 17 वर्ष- 2026-27

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **17** मांग **पंजी क्र. 1528 युआईडी 39955** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **श्री हनुमान मल्टी पेट्रोलियम प्रा. लि. / मनोज कुमार साव/देवनंदन साव** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मितेश कुमार जैन/ अशोक कुमार जैन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **09-09-2026** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
दैनिक
विश्व परिवार

वार्ड नंबर 1 में बदहाली का आलमः कचरा, खुदी सड़क, टूटी पाइपलाइन और अंधेरे में गुजर रही रातें

स्वच्छता से लेकर पेयजल और स्ट्रीट लाइट तक अव्यवस्था, रहवासियों में नाराजगी – नगर पालिका प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग

गरियाबंद (विश्व परिवार)। नगर के वार्ड नंबर 1 में मूलभूत सुविधाओं की बदहाली अब रहवासियों के लिए बड़ी परेशानी बनती जा रही है। कहीं कचरे का ढेर और गंदगी, कहीं महीनों से खुदी सड़क, तो कहीं क्षतिग्रस्त पाइपलाइन के कारण पेयजल संकट—इन समस्याओं के बीच खराब स्ट्रीट लाइटों ने रात का आवागमन भी मुश्किल कर दिया है। वार्डवासियों का कहना है कि लंबे समय से समस्याएं बनी हुई हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है।

बिजली ऑफिस के सामने कचरे का ढेर, सफाई व्यवस्था पर सवाल– वार्ड में नियमित साफ-सफाई नहीं होने से कई स्थानों पर गंदगी जमा है। बिजली ऑफिस के सामने कचरा पड़े रहने से आसपास दुर्गंध की स्थिति बनी हुई है। नालियों की समय पर सफाई नहीं होने के कारण गंदगी जमा रहती है, जिससे रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने नियमित कचरा उठाव और नालियों की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग की है।

महीनों से खुदी सड़क, आवागमन में परेशानी– फेवर ब्लॉक लगाने के लिए महीनों पहले खोदी गई सड़क अब तक दुरुस्त नहीं हो सकी है। सड़क की स्थिति के कारण राहगीरों और स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। रहवासियों का कहना है कि विकास कार्य के नाम पर सड़क खोदने के बाद उसे समय पर पूरा नहीं किया गया, जिससे समस्या लगातार बनी हुई है।

पाइपलाइन क्षतिग्रस्त, कई घरों में पानी की समस्या– स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क की खुदाई के दौरान जगह-जगह पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। इसके कारण कई घरों में नियमित पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से पानी की समस्या बनी होने के बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। रहवासियों ने क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की मरम्मत कर घरों तक नियमित पानी पहुंचाने की मांग की है।

स्ट्रीट लाइट खराब, रात में अंधेरे का साया– वार्ड के कई हिस्सों में स्ट्रीट लाइट खराब होने से रात के समय अंधेरा पसरा रहता है। इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। रहवासियों ने खराब स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त कराने और पूरे वार्ड की प्रकाश व्यवस्था सुचारु करने की मांग की है।

एक साथ कई समस्याएं, कार्रवाई का इंतजार– वार्ड नंबर 1 में सफाई, सड़क, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं एक साथ सामने आ रही हैं। रहवासियों का कहना है कि शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के लिए केवल मुख्य मार्गों पर ही नहीं, बल्कि सभी वार्डों में समान रूप से ध्यान दिया जाना जरूरी है।

वार्डवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से वार्ड का तत्काल निरीक्षण कर कचरा उठाव नियमित कराने, नालियों की सफाई, खुदी सड़क की मरम्मत, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन दुरुस्त कराने और खराब स्ट्रीट लाइटों को जल्द चालू कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध समाधान होना चाहिए, ताकि वार्डवासियों को राहत मिल सके।

महतारी वंदन योजना से रक्षाबंधन की खुशियां हुईं दुगुनी

मासिक आर्थिक सहायता से महिलाओं को मिल रहा संबल, त्योहार की जरूरतों के साथ भविष्य के लिए बचत भी कर रहीं महिलाएं

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को दिया कोटिश धन्यवाद

जगदलपुर/विश्व परिवार। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के जीवन में आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही है। योजना के तहत मिलने वाली मासिक आर्थिक सहायता से महिलाएं रोजमर्रा की जरूरतों के साथ परिवार की आवश्यकताओं और त्योहारों की तैयारियों को भी आसानी से पूरा कर पा रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर योजना की किस्त मिलने से महिलाओं के घरों में त्योहार की खुशियां और बढ़ गईं।

बस्तर जिले के विकासखंड बस्तर अंतर्गत ग्राम देवड़ा निवासी श्रीमती उर्मिला यादव भी महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें योजना की 31वीं किस्त के रूप में एक हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई है। रक्षाबंधन के पर्व के समय मिली यह राशि उनके लिए विशेष खुशी लेकर आई। उर्मिला ने बताया कि उन्होंने इस राशि का उपयोग रक्षाबंधन के लिए मिठाइयां, राखियां और उपहार खरीदने में करेंगी। उन्होंने कहा कि त्योहार के समय मिलने वाली यह आर्थिक सहायता उनके परिवार के लिए काफी उपयोगी साबित हुई। उर्मिला यादव ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, विष्णु भाई को बहुत-बहुत धन्यवाद। महतारी वंदन योजना से हमें हर महीने आर्थिक सहारा मिल रहा है। रक्षाबंधन जैसे त्योहार पर यह राशि मिलने से हमारी खुशी दुगुनी हो गई है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री को कोटि-कोटि बधाई और धन्यवाद देती हूं।

उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग केवल त्योहारों की जरूरतों तक सीमित नहीं है, बल्कि आकस्मिक आवश्यकताओं को पूरा करने में भी यह राशि महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नियमित आर्थिक सहायता मिलने से वह हर महीने 300 रुपये बैंक में बचत के रूप में जमा कर रही हैं, ताकि भविष्य में जरूरत पड़ने पर यह राशि काम आ सके।

उर्मिला ने कहा कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी परिवार को कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब नियमित आर्थिक सहायता मिलने से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है। वे अपनी जरूरतों और परिवार की आवश्यकताओं के संबंध में बेहतर निर्णय ले पा रही हैं। योजना की राशि सीधे महिलाओं के हाथ में पहुंचने से उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनने का अवसर मिल रहा है।

रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का पर्व है। ऐसे अवसर पर महतारी वंदन योजना की किस्त मिलने से उर्मिला यादव सहित जिले की अनेक महिलाओं के लिए त्योहार की खुशियां और भी खास हो गईं। योजना की आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए न केवल वर्तमान जरूरतों का सहारा बन रही है, बल्कि उन्हें बचत और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी आगे बढ़ा रही है।

बाढ़ के बीच महापौर संजय पांडे ने संभाला मोर्चा, इंद्रावती से गोरिया बहार तक हरियाली की भी तैयारी

महादेव घाट, डोंगा घाट और पुराने पुल का लिया जायजा; ढाई हजार पौधों से सजेगा राष्ट्रीय राजमार्ग

जगदलपुर (विश्व परिवार)। लगातार हुई भारी बारिश के बाद शहर में बनी बाढ़ की स्थिति के बीच महापौर संजय पांडे ने बुधवार को शहर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण कर जमीनी हालात का जायजा लिया। महापौर ने महादेव घाट, डोंगा घाट, पुराना पुल, गोरिया बहार एवं आसपास के क्षेत्रों में पहुंचकर जलस्तर और आवागमन की स्थिति देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर संजय पांडे ने कहा कि वर्तमान में पानी की स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन बारिश और नदी के जलस्तर को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार नजर रखना जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से भी सावधानी बरतने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।

इंद्रावती से गोरिया बहार तक दिखेगी हरियाली– बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के साथ महापौर ने शहर के सौंदर्यीकरण और हरियाली की दिशा में चल रही तैयारियों का भी जायजा लिया। इंद्रावती नदी से गोरिया बहार तक राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर और डिवाइडर के आसपास करीब ढाई हजार पौधे लगाए जाने हैं। पौधरोपण से पहले महापौर ने स्थल की साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पौधरोपण स्थल की तैयारी को लेकर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यहां कनेर एवं टिकोमा के पौधे लगाए जाएंगे। पौधों के लगने से राष्ट्रीय राजमार्ग का क्षेत्र हरा-भरा होने के साथ शहर की सुंदरता में भी इजाफा होगा। महापौर के इस निरीक्षण में एक ओर जहां बारिश के बाद उत्पन्न परिस्थितियों की निगरानी और नागरिक सुरक्षा पर जोर दिखाई दिया, वहीं दूसरी ओर शहर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने की दिशा में निगम की तैयारियां भी सामने आईं। निरीक्षण के दौरान नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंग देवांगन, स्थ्ढ्ढष्ट सदस्य निर्मल पाणिग्राही, संग्राम सिंह राणा एवं विधुशेखर झा सहित निगम संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने मोबिलिटी के भविष्य की फिर लिखी परिभाषा एमजी हेक्टर टोमहॉक को EV और PHEV में लॉन्च किया

रायपुर। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज हेक्टर टोमहॉक का अनावरण किया। यह ADAPT यानी एडवांस्ड ड्राइव आर्किटेक्चर प्लेटफॉर्म टेक्नोलॉजी और भारत के पहले मल्टी-न्यू एनर्जी व्हीकल (NEV) प्लेटफॉर्म पर इंजीनियर किया गया पहला उत्पाद है। यह इंटेलीजेंट तकनीक, प्रीमियम आराम, उन्नत सुरक्षा और एलेक्ट्रिफाइड परफॉर्मेंस का बेजोड़ संगम है। एमजी हेक्टर टोमहॉक को इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल (PHEV) दोनों पॉवरट्रेन विकल्पों के साथ पेश किया जा रहा है। EV के लिए 13.99 लाख और PHEV के लिए 21.79 लाख के इंट्रोडक्टरी बैटरी-ए-सर्विस (BaaS) मूल्य पर शुरू होने वाला हेक्टर टोमहॉक, स्त्र के NEV पोर्टफोलियो का विस्तार है। यह ग्राहकों को चुनने की स्वतंत्रता देगा, साथ ही वह स्थान, सुरक्षा और कनेक्टेड तकनीक प्रदान करेगा जिसकी भारतीय परिवार एक आधुनिक एसयूवी से उम्मीद करते हैं। पार्थ जिंदल, निदेशक, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कहा, हेक्टर टोमहॉक भारत में एक सस्टेनेबल मोबिलिटी इको सिस्टम के निर्माण की हमारे सफर में एक अहम मील का पत्थर है। हम भारतीय उपभोक्ताओं के लिए दुनिया की सर्वोत्तम उपलब्ध तकनीकों और पर्यावरणीय दृष्टि से जिम्मेदार समाधान लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। साथ ही देश में स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं। हेक्टर टोमहॉक EV और हेक्टर टोमहॉक PHEV, भारत की पहली प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (PHEV) की शुरूआत, नई पीढ़ी के मोबिलिटी समाधानों की एक विविध पोर्टफोलियो पेश करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो ग्राहकों की बदलती जरूरतों और ड्राइविंग पैटर्न को भी पूरा कर रही है। अनुराग मेहरोत्रा, प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कहा, ÷मोबिलिटी का भविष्य केवल एक तकनीकी समाधान द्वारा परिभाषित नहीं किया जाएगा, बल्कि ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप मार्ग चुनने की स्वतंत्रता प्रदान करके किया जाएगा।

ईद-ए-मिलाद पर गरियाबंद पुलिस की खास पहल, त्योहार के बीच गूंजा साइबर सुरक्षा का संदेश

खुशियों के माहौल में पुलिस ने दी डिजिटल सतर्कता की सीख, ऑनलाइन ठगी से बचने के बताए आसान तरीके

गरियाबंद (विश्व परिवार)। ईद-ए-मिलाद के पावन अवसर पर जहां शहर में भाईचारे और सौहार्द का संदेश गूंज रहा था, वहीं गरियाबंद पुलिस ने इसी माहौल को साइबर जागरूकता से जोड़ते हुए एक सराहनीय पहल की। छत्तीसगढ़ पुलिस के निर्देश पर पूरे प्रदेश में चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत पुलिस अधिकारी मुस्लिम समुदाय के बीच पहुंचे और डिजिटल दुनिया में बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के लिए जरूरी सावधानियों की जानकारी दी।

त्योहार की खुशियों के बीच पुलिस ने नागरिकों को बताया कि आज के दौर में मोबाइल और इंटरनेट जितने सुविधाजनक हैं, उतनी ही सतर्कता भी जरूरी है। ऑनलाइन फ्रॉड, बैंकिंग धोखाधड़ी और सोशल मीडिया के जरिए होने वाली ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोगों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की समझाइश दी गई।

इस दौरान थाना मैनपुर एवं पाण्डुका के अधिकारियों ने साइबर ठगी के अलग-अलग तरीकों की जानकारी देते हुए नागरिकों को इससे बचने के सरल उपाय बताए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि बैंकिंग से जुड़ी गोपनीय जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा करना भारी पड़ सकता है।

पुलिस ने नागरिकों से कहा कि बैंक खाते की जानकारी, एटीएम पिन, पासवर्ड और यूपीआई पिन किसी को न बताएं। संदिग्ध कॉल, लॉटरी या इनाम का लालच देने वालों से सावधान रहें और किसी भी स्थिति में ओटीपी साझा न करें।

इसी तरह सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप पर आने वाले अनजान लिंक तथा .ड्डश्चद्म फाइलों पर क्लिक करने से बचने की सलाह दी गई। पुलिस ने कहा कि साइबर अपराधी अक्सर डर, लालच या जल्दबाजी का फायदा उठाकर लोगों को अपना शिकार बनाते हैं, इसलिए किसी भी संदिग्ध कॉल पर घबराने के बजाय पहले उसकी सत्यता जांचें और जरूरत पड़ने पर पुलिस को सूचना दें। पुलिस ने यह भी बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है तो घबराने के बजाय तत्काल कार्रवाई करना बेहद जरूरी है। पीड़ित व्यक्ति बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर सकता है अथवा छ्व4द्धद्रह्न छ्वद्धद्बद्ब क्कश्रह्म्ह्लड्ड के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकता है। ईद-ए-मिलाद के अवसर पर गरियाबंद पुलिस की यह पहल केवल साइबर अपराध से बचाव की जानकारी देने तक सीमित नहीं रही, बल्कि समुदाय के बीच विश्वास, जागरूकता और सुरक्षा का संदेश भी लेकर पहुंची। पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं सतर्क रहें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी साइबर ठगी के प्रति जागरूक करें।

संक्षिप्त समाचार

सोने और क्रिटिकल मिनरल्स की खोज के लिए वेदांता ने भारत की पहली पोर्टेबल रिग की कमीशन

नई दिल्लीः वेदांता लिमिटेड (NSE: VEDL; BSE: 500295), धातु, क्रिटिकल मिनरल्स और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में दुनिया की प्रमुख कंपनियों में शामिल है। कंपनी ने टेक्नोलॉजी आधारित इनोवेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए भारत की पहली हाई-टेक, हाई-स्पीड हाइड्रोस्टैटिक पोर्टेबल रिग को कमीशन किया है। अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस इन रिग्स को छत्तीसगढ़ में वेदांता की दो प्रमुख एक्सप्लोरेशन परियोजनाओं में तैनात किया गया है। यहां सोने के साथ-साथ निकेल, क्रोमियम और प्लैटिनम ग्रुप एलिमेंट्स जैसे क्रिटिकल मिनरल्स की खोज की जा रही है। क्रिटिकल मिनरल्स की खोज के लिए विशेष तकनीकी विशेषज्ञता और गहरी ड्रिलिंग क्षमता की जरूरत होती है। यह ऐसा क्षेत्र है, जहां बहुत कम राष्ट्रीय और वैश्विक कंपनियों के पास जरूरी क्षमताएं मौजूद हैं। ऊर्जा संक्रमण की रफ्तार बढ़ने के साथ क्रिटिकल मिनरल्स की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में वेदांता अपने एकीकृत स्मेल्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक भू-वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल कर जटिल खनन ब्लॉक्स को विकसित करने और क्रिटिकल मिनरल्स की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में है। दुर्गम और कठिन इलाकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई यह रिग 1,000 मीटर तक हाई-स्पीड ड्रिलिंग करने में सक्षम है, जबकि सामान्य तौर पर इस्तेमाल होने वाली रिग्स की ड्रिलिंग क्षमता करीब 300 से 400 मीटर होती है। साथ ही, एक स्थान से दूसरे स्थान पर उपकरण ले जाने में लगने वाले समय को भी कम किया जा सकता है। देश में एक्सप्लोरेशन क्षमता के लिहाज से इसे एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि माना जा रहा है। इसके इस्तेमाल से भारत के अभी तक बड़े पैमाने पर अप्रयुक्त खनिज भंडार तक तेज, सुरक्षित, कम हस्तक्षेप और अधिक प्रभावी तरीके से पहुंच बनाई जा सकेगी। क्रिटिकल मिनरल्स की खोज के क्षेत्र में वेदांता ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। कंपनी ने 10 क्रिटिकल मिनरल ब्लॉक्स हासिल किए हैं। इनमें सोना, मैंगनीज, कॉपर, निकेल-क्रोमियम-PGE (प्लैटिनम ग्रु प एलिमेंट्स), टंगस्टन, ग्रेफाइट, वैनेडियम, रेयर अर्थ एलिमेंट्स और पोटाश शामिल हैं। इनमें से पांच ब्लॉक्स में एक्सप्लोरेशन का काम शुरू हो चुका है। हाल ही में वेदांता को आंध्र प्रदेश के पुन्नम मैंगनीज ब्लॉक के लिए सफल बोलीदाता भी घोषित किया गया है।

बिहान से मिली नई उड़ान, ममता बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

कोंडागांव,। कोण्डागांव जिले के ग्राम राजागांव की रहने वाली ममता आज अपने परिवार के लिए आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। कभी आर्थिक तंगी से जूझने वाला उनका परिवार आज मेहनत, स्वरोजगार और शासन की योजनाओं के सहयोग से बेहतर जीवन की ओर आगे बढ़ रहा है। ममता की कहानी यह बताती है कि महिलाओं को सही अवसर, आर्थिक सहयोग और मार्गदर्शन मिले तो वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदल सकती हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई मिसाल भी कायम कर सकती हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत ममता माँ वैष्णवी स्व-सहायता समूह की सदस्य हैं। समूह से जुड़ना उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। समूह के माध्यम से उन्हें बैंक से ऋण प्राप्त हुआ, जिसका उपयोग उन्होंने अपना व्यवसाय शुरू करने में किया। ममता ने ऋण की सहायता से कपड़ों का कारोबार शुरू किया। शुरुआत छोटे स्तर से हुई, लेकिन उनकी मेहनत और लगन ने कारोबार को आगे बढ़ाया। आज उनकी कपड़ों की दुकान से सप्ताह में लगभग 10 से 15 हजार रुपये तक की आय हो जाती है। इस आमदनी से वे अपने परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। ममता बताती हैं कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना भी चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में समूह से जुड़ने और बैंक से ऋण मिलने ने उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया। उन्होंने इस अवसर को अपनी जिंदगी बदलने की शुरुआत बनाया और मेहनत से अपने कारोबार को आगे बढ़ाया। ममता के परिवार में भी सभी सदस्य अपनी-अपनी आजीविका से जुड़े हुए हैं। उनके पति मछली की दुकान चलाते हैं, वहीं उनका बेटा भी मछली का व्यवसाय करता है। उनकी बेटी पढ़ाई के साथ-साथ सिलाई का काम भी करती है। सिलाई से होने वाली आय से वह अपनी पढ़ाई और व्यक्तिगत जरूरतों के खर्च में सहयोग करती है। इस तरह परिवार के सभी सदस्य अपनी क्षमता के अनुसार आर्थिक गतिविधियों से जुड़े हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में योगदान दे रहे हैं। ममता के लिए सबसे बड़ी खुशी यह है कि आज उनका परिवार पहले की तुलना में बेहतर स्थिति में है। जहां कभी आर्थिक परेशानियां परिवार के सामने बड़ी चुनौती थीं, वहीं अब स्वयं का व्यवसाय और परिवार के सदस्यों की आय के अलग-अलग साधनों ने जीवन को आसान बनाया है। आर्थिक मजबूती के साथ परिवार में भविष्य को लेकर आत्मविश्वास भी बढ़ा है। ममता अपनी सफलता का श्रेय लखपति दीदी योजना, स्व-सहायता समूह और शासन से मिले सहयोग को देती हैं। उनका कहना है कि समूह से जुड़ने के बाद उन्हें न केवल आर्थिक सहायता मिली, बल्कि आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी मिला। बैंक ऋण की सुविधा ने उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने का अवसर दिया और आज वे अपनी मेहनत से अच्छी आय अर्जित कर रही हैं।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, गुरुवार 27 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन

विजय कुमार जैन

भारतीय संस्कृति में पर्वों का प्राचीनकाल से विशेष महत्व रहा है। प्रत्येक त्यौहार के साथ धार्मिक मान्यताओं, सामाजिक एवं ऐतिहासिक घटनाओं का संयोग प्रदर्शित होता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी अपना संदेश आम जनता तक पहुँचाने के लिये त्यौहारों एवं मेलों का मंच के रूप में उपयोग होता था। हम चर्चा कर रहे हैं ऐसे ही पर्व रक्षाबंधन की। रक्षाबंधन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का प्रमुख त्यौहार माना जाता है जो श्रावण मास पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहन अपनी रक्षा के लिये भाई को राखी बांधती है। यह पर्व मात्र रक्षा का संदेश नहीं देता, अपितु प्रेम, समर्पण, निष्ठा व संकल्प के द्वारा हृदयों को भी बांधने का वचन देता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है मयि सर्व मिदंप्रोक्तं सूत्रे मणिगणाइव अर्थात सूत्र अविच्छिन्नता का प्रतीक है क्योंकि सूत्र/धागे बिखरे हुए मोतियों को अपने में पिरोकर एक माला में एकाकार बनाता है। माला के सूत्र की तरह रक्षासूत्र भी लोगों को जोड़ता है। पुराणों में रक्षाबंधन का उल्लेख मिलता है। रक्षा हेतु इन्द्राणी ने इन्द्र सहित देवताओं की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा और इन्द्र ने राक्षसों से युद्ध में विजय पायी। एक कथा के अनुसार राजा बलि को दिये वचन अनुसार भगवान विष्णु बैकुंठ छोड़कर बलि के राज्य की रक्षा के लिये चले गये। तब देवी लक्ष्मी ने ब्राह्मणी का रूप धर श्रावण पूर्णिमा के दिन राजा बलि की कलाई पर पवित्र धागा बांधा, उनके कहने पर बलि ने भगवान विष्णु से बैकुंठ लौटने की विनती की। रावण की बहन शूर्पणखा लक्ष्मण के द्वारा नाक काटने के पश्चात रावण के पास पहुंची और खून से मैली साड़ी का एक छोर रावण की कलाई में बांध दिया और कहा भैया जब-जब आप अपनी कलाई को देखोगे आपकी अपनी बहन का अपमान याद आयेगा और मेरी नाक काटने बालों से तुम बदला ले सकोगे। भगवान श्री कृष्ण के हाथ में चोट लगने पर एक बार द्रौपदी ने अपनी चुनरी का किनारा फाड़ कर घाव पर बांध दिया था। दुशासन द्वारा द्रौपदी का चीरहरण प्रयास इसी बंधन के प्रभाव से असफल हुआ। श्री कृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा की। युधिष्ठिर ने एक बार श्रीकृष्ण से पूछा कि वह महाभारत के युद्ध में कैसे बचेंगे , जवाब में श्री कृष्ण ने कहा राखी का धागा ही तुम्हारी रक्षा करेगा। सिकन्दर व पौरस के युद्ध के पूर्व रक्षा सूत्र का आदान प्रदान हुआ था। दोनों ने रक्षा सूत्र की मर्यादा का पालन किया था। मुगल काल में मुगल सम्राट हुमायूँ चित्तौड़गढ़ पर आक्रमण करने बढ़ा तो राणा सांगा की विधवा कर्मवती ने हुमायूँ को राखी भेजकर अपनी रक्षा का वचन लिया। हुमायूँ ने इसे स्वीकार करके चित्तौड़ पर आक्रमण का विचार मन से निकाल दिया और आगे राखी का वायदा निभाने के लिये चित्तौड़ की रक्षा हेतु गुजरात के बादशाह से भी युद्ध किया। स्वाधीनता आन्दोलन में भी बहनों ने अपने भाइयों को राखी बांधकर देश को आजाद कराने का वचन लिया। सन 1905 में बंग-भंग आन्दोलन का शुभारंभ एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर हुआ। आजादी के आन्दोलन की एक घटना चन्द्रशेखर आजाद से जुड़ी हुई है। आजाद एक तूफानी रात शरण लेने एक विधवा के घर पहुंचे। पहले तो उसने उन्हें डाकू समझकर शरण देने से मना कर दिया। बाद में यह पता चलने पर कि वह क्रांतिकारी आजाद है तो ससम्मान उन्हें घर के अंदर ले गई। बातचीत के दौरान आजाद को पता चला कि उस विधवा को गरीबी के कारण जबान बेटी की शादी हेतु काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।। यह जानकर आजाद को वहुत दुख हुआ। उन्होंने विधवा को प्रस्ताव दिया कि मेरी गिरफ्तारी पर पाँच हजार रुपये का इनाम है, तुम मुझे अंग्रेजों को पकड़वा दो और उस इनाम से बेटी की शादी कर देना, यह सुनकर विधवा रो पड़ी व कहा भैया तुम देश की आजादी हेतु अपनी जान हथेली पर रखकर चल रहे हो और न जाने कितनी बहू-बेटियों की इज्ज़त तुम्हारे भरोसे है, मैं हरगिज ऐसा नहीं कर सकती। यह कहते हुए उसने एक रक्षा सूत्र आजाद के हाथ पर बांधकर देश सेवा का वचन लिया। सुबह जब विधवा की आँख खुली तो आजाद जा चुके थे और तकिये के नीचे पाँच हजार रुपये रखे हुए थे, साथ ही उसके साथ एक पर्चा रखा था जिस पर लिखा था कि अपनी प्यारी बहन हेतु एक छोटी सी भेंट -आजाद। भारत में रक्षाबंधन का त्यौहार अलग अलग तरीकों से अपनी मान्यता अनुसार मनाया जाता है। मुंबई के समुद्री क्षेत्रों में नारियल पूर्णिमा या कोकोनट फुलमून के नाम से मनाया जाता है। उत्तराखंड के चम्पावत जिले के देवीधूरा में राखी पर्व पर बाराहीदेवी को प्रसन्न करने के लिये पाषाणकाल से ही पत्थर युद्ध का आयोजन किया जाता है। इस युद्ध में आज तक कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। जैन धर्म में रक्षाबंधन पर्व का विशेष महत्व है। प्राचीन काल में मुनि अकम्पनाचार्य आदि 700 मुनियों पर असुरों द्वारा हस्तिनापुर में उपसर्ग किया। सभी मुनियों को बंदी बनाकर बलि देने का निर्णय लिया। मुनि विष्णु कुमार को इसका पता चला तो उन्होंने अपनी वैक्रिया ऋद्धि के द्वारा असुर शक्तियों को निर्बल किया तथा 700 मुनियों की मुनि अकम्पनाचार्य सहित रक्षा की। मुनियों की रक्षा की स्मृति में यह रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है।700 जैन मुनियों की रक्षा हुई थी, रक्षाबंधन पर्व का नाम करण जैनाचार्य संत शिरोमणी विद्या सागर जी के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक मुनि सुधा सागर जी ने 卐श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस卐 किया है।इस दिन जैन मंदिरों में 700 मुनियों की रक्षा के उपलक्ष्य में श्रमण रक्षा विधान पूजन किये जाते है। सभी 700 जैन मुनियों का स्मरण कर उन्हें अर्घ चढ़ाये जाते हैं। मुनि सुधा सागर जी जिस तीर्थ या नगर में चातुर्मास करते हैं वहाँ श्रमण संस्कृति रक्षा विधान पूजन भक्ति भाव से उनके पावन सानिध्य की जाती है। 28 अगस्त को इंदौर म.प्र.में श्रमण संस्कृति रक्षा विधान मुनि सुधा सागर जी ससंघ के पावन सानिध्य में भक्ति भाव से आयोजित किया जा रहा है।इस अवसर पर धर्म और संस्कृति की रक्षा के प्रतीक रक्षासूत्र बांधते हैं।रक्षाबंधन पर्व की एक रोचक घटना हरियाणा के फ्तेहपुर गाँव की है। फ्तेहपुर में सन 1857 में एक युवक गिरधरलाल को रक्षाबंधन के दिन अंग्रेजों ने तोप से बांधकर उड़ा दिया। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने गिरधरलाल को शहीद का सम्मान देकर रक्षाबंधन पर्व मनाना बंद कर दिया। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सन 2006 में इस गाँव के लोगों ने रक्षाबंधन पर्व पुन: मनाने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन पर्व का भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व है। यह पर्व हमारे सामाजिक परिवेश एवं मानवीय मूल्यों का अभिन्न अंग है। आज आवश्यकता है आडंबर के बजाय इस त्यौहार के पीछे छुपे हुए संस्कारों और नैतिक मूल्यों का सम्मान किये जाने की।तभी व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र का कल्याण संभव होगा।

ऊर्जा सुरक्षा नीति की कठिन परीक्षा

चीन अमेरिका से सौदेबाजी करने में अपने को सक्षम साबित कर चुका है। इसलिए ध्यान इस पर है कि भारत इस चुनौती से कैसे उबरता है, जो अपनी जरूरत का लगभग 90 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा नीति की जल्द ही कठिन परीक्षा होगी। अमेरिका के नए 100 प्रतिशत टैरिफ की तलवार के मद्देनजर क्या भारत रूस से रियायती तेल को छोड़कर वैकल्पिक स्रोतों की ओर बढ़ेगा? या कूटनीतिक संतुलन साधते हुए मौजूदा आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने की कोशिश करेगा? पहले विकल्प के साथ रूस से पारंपरिक रिश्तों में पेच खड़ा होने और देश की छवि खराब होने का जोखिम है। जबकि दूसरा विकल्प अपनाने का मतलब अमेरिका से संबंधों पर लगाए गए बड़े दांव पर पुनर्विचार करना होगा। दूसरे विकल्प से फ़ौरी नुकसान संभावित हैं, लेकिन इससे दीर्घकाल में स्वायत्त विदेश नीति को विकसित करने की संभावना भी बन सकती है। गौरतलब है, अमेरिकी सीनेट ने लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट 2026 पारित कर दिया है। यह जल्द ही प्रतिनिधि सभा से भी पारित हो जाएगा। इसके तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूसी तेल और गैस के पांच सबसे बड़े आयातकों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा। समझा गया है कि इस बिल के निशाने पर मुख्यत: भारत और चीन हैं। मगर चीन अमेरिका से सौदेबाजी करने में अपने को सक्षम साबित कर चुका है। इसलिए ध्यान इस पर टिका है कि भारत इस चुनौती से कैसे उबरता है। भारत कच्चे तेल की कुल जरूरत का लगभग 90 फीसदी हिस्सा आयात करता है। इसमें रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी तकरीबन 48 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। अमेरिका का मकसद विश्व बाजार में रूसी तेल की पहुंच रोकना है, जिसका एक असर कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में भारी उछाल के रूप में देखने को मिलेगा। ईरान युद्ध के कारण तेल पहले से महंगा है। अप्रैल-जून तिमाही में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 60 फीसदी बढ़कर लगभग 49.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। नया प्रतिबंध लागू होने पर भारत को पश्चिम एशियाई तेल की ओर रुख करना पड़ सकता है या फिर उसे अमेरिका या वेनेजुएला से आयात बढ़ाना होगा, जो काफी महंगा साबित होगा। इसीलिए यह मुद्दा भारत सरकार के सामने यक्ष प्रश्न बन कर खड़ा हो गया है।

आलेख

अब किताबे गलतियों से भरी

हरिशंकर व्यास

अब किताबे गलतियों से भरी होती है। जिसको जो मन में आया उसने किताब में लिख दिया। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का अध्याय आठवीं कक्षा की किताब में शामिल कर दिया गया, जिस पर बाद में बहुत हंगामा हुआ और किताब वापस लेनी पड़ी। ऐसा कई किताबों के मामले में हुआ है। ओडिशा की इस साल समाजशास्त्र की एक किताब में तो इतनी गलतियां हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसका मजाक बना है। उसके बाद नीतिगत स्तर पर ऐसे काम हुए, जिनका प्रत्यक्ष उद्देश्य शिक्षा में सुधार से ज्यादा विवाद पैदा करना और प्रचार पाना था। चाहे नई शिक्षा नीति हो, चाहे त्रिभाषा फॉर्मूला हो, चाहे पीएम श्री की योजना हो, कौशल विकास के लिए शुरू की गई स्किल इंडिया योजना हो या 'एक देश, एक परीक्षा' की जिद हो। इन सबका साझा असर यह हुआ कि देश के नौजवान पूरी तरह से असहाय और किंकर्तव्यविमूढ़ हुए। अंत में उसे कोई तरीका नहीं सुझा तो वह आंदोलन पर उतरा। उसके सरोकारों को समझने और उसे ठीक करने की बजाय सरकार के लोग अब उनके बातचीत के तरीके, सोशल मीडिया रील्स और मीम्स की नकल करके अपना मजाक बनवा रहे हैं। असल में अनपढ़ और कुपढ़ लोगों के हाथ में शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था सौंप दी गई है, जिससे नौजवान पीढ़ी के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़ा हो गया है और जब युवा नाराज हुए हैं तो उनकी भोंड़ी नकल करके उनको पटाने की कोशिश हो रही है। इस कोशिश में लगे सब बहुत दयनीय दिख रहे है। शिक्षा में विकास की पूरी प्रक्रिया को रोक दिया गया। अच्छे संस्थानों को सुनियोजित तरीके से खत्म करने की प्रक्रिया शुरू हुई। इसके लिए वहां अनुशासन से बंधे अपढ़ और कुपढ़ लोगों को बहाल किया गया। इसके साथ ही उन संस्थानों के क्लोन बनाने का काम भी बड़े पैमाने पर हुआ। आज बड़े गर्व से बताया जाता है कि कांग्रेस के शासन में छह आईआईटी थे, अब दो दर्जन हो गए हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि अब भी पहले वाले छह आईआईटी में दाखिले के लिए ही मारामारी है। ऐसे ही दर्जनों आईआईएम खुल गए, दर्जनों एम्स बन गए या बनाने की घोषणा हो गई। नए और गुणवत्तापूर्ण संस्थान बनाने की बजाय पुराने संस्थानों के क्लोन बनाने का विचार अपने आप में गड़बड़ है। सोचें, ब्रिटेन में कभी किसी ने सोचा भी नहीं कि दूसरा ऑक्सफोर्ड बनाते हैं या दूसरा कैम्बिज बनाते हैं। उन्होंने उस गुणवत्ता के कई संस्थान बनाए। अमेरिका में आईवी लीग के नौ कॉलेज हैं। किसी ने दूसरा हार्वर्ड या दूसरा स्टैनफोर्ड बनाने का प्रयास नहीं किया। अंत में उसे कोई तरीका नहीं सुझा तो वह आंदोलन पर उतरा। उसके सरोकारों को समझने और उसे ठीक करने की बजाय सरकार के लोग अब उनके बातचीत के तरीके, सोशल मीडिया रील्स और मीम्स की नकल करके अपना मजाक बनवा रहे हैं। असल में अनपढ़ और कुपढ़ लोगों के हाथ में शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था सौंप दी गई है, जिससे नौजवान पीढ़ी के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़ा हो गया है और जब युवा नाराज हुए हैं तो उनकी भोंड़ी नकल करके उनको पटाने की कोशिश हो रही है। इस कोशिश में लगे सब बहुत दयनीय दिख रहे है। शिक्षा में विकास की पूरी प्रक्रिया को रोक दिया गया। अच्छे संस्थानों को सुनियोजित तरीके से खत्म करने की प्रक्रिया शुरू हुई। इसके लिए वहां अनुशासन से बंधे अपढ़ और कुपढ़ लोगों को बहाल किया गया। इसके साथ ही उन संस्थानों के क्लोन बनाने का काम भी बड़े पैमाने पर हुआ। आज बड़े गर्व से बताया जाता है कि कांग्रेस के शासन में छह आईआईटी थे।

विष्णु देव की सरकार में महिला सशक्तिकरण को नई उड़ान

तेजबहादुर सिंह भुवाल

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि महिलाओं के जीवन में दिखाई देने वाला बदलाव बन रहा है। विष्णु देव साय की सरकार महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा देने के साथ-साथ उन्हें रोजगार, तकनीक, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त जारी कर प्रदेश की महिलाओं को रक्षाबंधन के पूर्व राखी का विशेष उपहार दिया गया है। यह पहल महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ उस विश्वास को भी मजबूत करती है कि परिवार और समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की पात्र महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा का एक नया आधार तैयार किया है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार की आवश्यकताओं में भी योगदान दे पा रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर 31वीं किस्त का उपहार महिलाओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को दर्शाता है। आर्थिक सहायता का यह क्रम महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें आर्थिक निर्णयों में अधिक सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में लखपति दीदी की योजना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं कृषि, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, छोटे व्यवसाय और अन्य आयमूलक गतिविधियों के माध्यम से अपनी आमदनी बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जब एक महिला अपने पैरों पर खड़ी होती है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और परिवार के आर्थिक निर्णयों में उसकी भागीदारी भी मजबूत होती है।आज छत्तीसगढ़ की महिलाएं आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में भी कदम बढ़ा रही हैं। ड्रोन दीदी जैसी पहल ग्रामीण महिलाओं को नई तकनीक से जोड़ने और कृषि क्षेत्र में सेवाओं के माध्यम से आय के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण है, जो महिलाएं कभी खेतों में परंपरागत तरीके से काम करती थीं, वे अब तकनीक का प्रशिक्षण लेकर ड्रोन संचालन जैसी आधुनिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। यह बदलाव महिला सशक्तिकरण की बदलती तस्वीर को सामने लाता है। इन महिलाओं के देखकर अन्य महिलाएं भी प्रेरित होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। महिलाओं को पारंपरिक रोजगार से आगे बढ़ाकर नए क्षेत्रों में अवसर देने की दिशा में ई-रिक्शा दीदी जैसी पहल भी उल्लेखनीय है। ई-रिक्शा के माध्यम से महिलाएं परिवहन क्षेत्र में रोजगार का नया अवसर प्राप्त कर सकती हैं और अपनी आय का साधन विकसित कर सकती हैं। यह पहल महिला को केवल रोजगार नहीं देती, बल्कि उसे स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी देती है। महिला सशक्तिकरण की इस यात्रा में स्व-सहायता समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। समूहों के माध्यम से महिलाएं बचत, प्रशिक्षण, ऋण, उत्पादन और बाजार से जुड़कर आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ा रही हैं। आज महिला केवल किसी योजना की लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवार की अर्थव्यवस्था, गांव की अर्थव्यवस्था और प्रदेश के विकास की सक्रिय भागीदार बनने की ओर बढ़ रही है।विष्णु देव साय सरकार की महिला-केंद्रित पहलों को एक साथ देखें तो इनका उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना दिखाई देता है। महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल देती है, ड्रोन दीदी तकनीक से जोड़ती है, लखपति दीदी आय बढ़ाने का अवसर देती है, और ई-रिक्शा दीदी रोजगार की नई राह खोलती है। इन पहलों से महिला सशक्तिकरण का एक व्यापक स्वरूप सामने आता हैकृजहां महिला सहायता प्राप्त करने वाली नहीं, बल्कि अपने परिवार और समाज के विकास की नेतृत्वकर्ता बन रही है। रक्षाबंधन के अवसर पर महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त का उपहार इसी विश्वास को और मजबूत करता है कि प्रदेश की आधी आबादी को मजबूत किए बिना छत्तीसगढ़ के समग्र विकास की कल्पना पूरी नहीं हो सकती। महिला मजबूत होगी, परिवार मजबूत होगा। परिवार मजबूत होगा, तो छत्तीसगढ़ और मजबूत होगा। महतारी सदन: गांवों में महिलाओं के लिए सशक्त मंच प्रदेश में महिला सशक्तिकरण को गांव-गांव तक पहुंचाने की दिशा में महतारी सदन एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को एक ऐसा स्थान उपलब्ध कराना है, जहां वे एकजुट होकर अपने सामाजिक, आर्थिक और सामुदायिक विकास से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ा सकें। महतारी सदन महिलाओं के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि संगठन, संवाद, प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता का केंद्र बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यहां महिलाएं स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों, प्रशिक्षण, आजीविका और विभिन्न योजनाओं से जुड़ी गतिविधियों को बेहतर तरीके से संचालित कर सकती हैं। इससे गांव की महिलाओं को अपने मुद्दों पर चर्चा करने, सामूहिक निर्णय लेने और आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत मंच मिलता है। महतारी सदन में हॉल, किचन, स्टोर, कार्यालय कक्ष तथा दुकान संचालन के लिए पृथक स्थान सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। इस सदन में महिलाओं के प्रशिक्षण, बैठकों, उत्पादन, विपणन एवं विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक स्थायी और सुसज्जित स्थल के रूप में उपयोगी साबित होगा। महतारी सदन गांव की माताओं-बहनों के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि उनके सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र होगा। इसके माध्यम से महिलाओं को अपनी बैठकों, प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों तथा विभिन्न आर्थिक कार्यों के संचालन के लिए स्थायी, सुविधाजनक और बेहतर स्थान उपलब्ध हो रहा है। राज्य सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 481 महतारी सदनों की स्वीकृति दी गई है। यही है विष्णु देव साय की सरकार में महिला सशक्तिकरण की नई तस्वीर-सुरक्षा से सम्मान, सहायता से स्वावलंबन और स्वावलंबन से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़।

महिला सशक्तिकरण पर राहुल गांधी की खोखली बयानबाज़ी बनाम मोदी सरकार का ठोस रिकॉर्ड

ए. शक्तिवेल

पुणे में महिला सशक्तिकरण पर राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी सुनने में आकर्षक लग सकती है, लेकिन यह एक बड़ा सवाल खड़ा करती हैः क्या महिला सशक्तिकरण को केवल राजनीतिक भाषणों से मापा जाना चाहिए, या फिर उन कानूनों, अवसरों और संस्थाओं से, जो महिलाओं को वास्तव में अधिकार और अवसर प्रदान करते हैं? इस कसौटी पर नरेंद्र मोदी सरकार का रिकॉर्ड व्यापक है, जबकि महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण सुधारों के मामले में कांग्रेस बार-बार सवालों के घेरे में रही है। महिला सशक्तिकरण के प्रति मोदी सरकार का दृष्टिकोण मूल रूप से अलग रहा है। यह केवल कल्याण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अधिकार, गरिमा, प्रतिनिधित्व, वित्तीय आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और महिला नेतृत्व वाले विकास तक विस्तारित हुआ है। तत्काल तीन तलाक को समाप्त करने से लेकर विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण को संवैधानिक आधार देने तक, सरकार ने महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने वाले महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस कानून ने तत्काल तीन तलाक को अमान्य घोषित किया और मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण प्रदान किया। लेकिन मुस्लिम महिलाओं को एक मनमानी प्रथा से सुरक्षा देने वाले इस उपाय का स्वागत करने के बजाय कांग्रेस ने विधेयक के पारित होने के दौरान इसका विरोध किया। इसलिए सवाल आज भी प्रासंगिक हैः जब कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों की बात करती है, तो उसने मुस्लिम महिलाओं को कानूनी संरक्षण और गरिमा देने वाले कानून का विरोध क्यों किया था? इसी तरह नारी शक्ति वंदन अधिनियम, संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023, महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम है। यह कानून संवैधानिक व्यवस्था के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण का प्रावधान करता है। यह स्वतंत्र भारत में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों में से एक है। फिर भी कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिलाओं के आरक्षण के क्रियान्वयन से जुड़ी परिसीमन प्रक्रिया पर आपत्तियां उठाई हैं। यदि कांग्रेस वास्तव में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत राजनीतिक प्रतिनिधित्व चाहती है, तो वह उस संवैधानिक व्यवस्था पर अड़चन क्यों पैदा करती है जिसके माध्यम से यह प्रतिनिधित्व वास्तविकता में बदलना है यह केवल राजनीतिक मतभेद नहीं है। यह कांग्रेस के दृष्टिकोण में एक गहरे विरोधाभास को सामने लाता है। महिलाओं के आरक्षण की बात करना एक बात है, लेकिन उसे वास्तविकता में बदलने वाली संवैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाना दूसरी। महिलाओं को राजनीतिक दोहरे मापदंड नहीं, वास्तविक प्रतिनिधित्व चाहिए। कांग्रेस के अपने राज्यों का रिकॉर्ड देखें तो यह विरोधाभास और गहरा हो जाता है। कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में है और राज्य मंत्रिपरिषद में एक भी महिला को मंत्री नहीं बनाया गया है। जो पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण की बात करती है, उसे अपने ही शासन और संगठनात्मक फैसलों में भी अपनी प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए। कांग्रेस को अपने संगठन के भीतर महिलाओं के साथ व्यवहार को लेकर भी सवालों के जवाब देने होंगे।

जैन मंदिर में कलश स्थापना के साथ तीन दिवसीय रक्षाबंधन विधान का शुभारंभ

■ प्रथम दिवस श्रद्धा-भक्ति के साथ हुई पूजा-अर्चना, 300 श्रीफल किए गए अर्पित

अकलतरा (विश्व परिवार)। नगर के जैन मंदिर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच तीन दिवसीय रक्षाबंधन विधान का शुभारंभ निर्यापक श्रवण मुनि श्री 108 प्रसाद सागर महाराज एवं मुनि श्री 108 शीतल सागर महाराज के मंगल सानिध्य में कलश स्थापना के साथ हुआ, विधान के प्रथम दिवस जैन समाज के श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव एवं उत्साह के साथ पूजा-अर्चना में सहभागिता निभाई, धार्मिक अनुष्ठान के दौरान विधि-विधानपूर्वक पूजन संपन्न कर 300 श्रीफल अर्पित किए गए, मंदिर परिसर में मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना एवं धार्मिक जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा,

रक्षाबंधन विधान के शुभारंभ अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान की आराधना करते हुए धर्म, संयम, अहिंसा एवं आत्मशुद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया, सुबह से ही जैन मंदिर में समाज के श्रद्धालुओं का पहुंचना प्रारंभ हो गया था, कलश स्थापना के पश्चात विधि-विधान के साथ विधान की धार्मिक क्रियाएं संपन्न कराई गईं। बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवा श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना में शामिल होकर पुण्यार्जन किया, धर्म सभा को संबोधित करते हुए निर्यापक मुनिश्री 108 प्रसाद सागर महाराज ने रक्षाबंधन विधान के आध्यात्मिक एवं धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन धर्म में प्रत्येक धार्मिक विधान आत्मशुद्धि, संयम और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम है, रक्षाबंधन विधान केवल बाहरी परंपरा नहीं, बल्कि आत्मा को विकारों से मुक्त करने और धर्म के प्रति अपनी आस्था को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे विधान के तीनों दिनों में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता निभाएं और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से अपने जीवन में सदाचार, संयम एवं अहिंसा के संस्कारों को और मजबूत करें।

मुनिश्री ने कहा कि धार्मिक आयोजनों की सार्थकता तभी है, जब उनसे व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आए। धर्म हमें आत्मचिंतन, त्याग, तपस्या और संयम की प्रेरणा देता है। रक्षाबंधन विधान के माध्यम से श्रद्धालुओं को अपने भीतर की बुराइयों और विकारों से रक्षा का संकल्प लेना चाहिए तथा धर्म एवं सदाचार के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ना चाहिए।

प्रथम दिवस के धार्मिक अनुष्ठान में 300 श्रीफल अर्पित किए जाने से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूजा के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का ऐसा वातावरण निर्मित हुआ कि पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ पूजन कर भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की, जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष सुशील जैन एवं सचिव रूपेश जैन ने बताया कि रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जैन समाज द्वारा निर्यापक श्रवण मुनिश्री 108 प्रसाद सागर महाराज एवं मुनि श्री 108 शीतल सागर महाराज के मंगल सानिध्य में 26 से 28 अगस्त तक तीन दिवसीय रक्षाबंधन विधान का आयोजन किया गया है आज विधान में 300 श्रीफल पूजा अर्चना के साथ समर्पित किए गए , 27 अगस्त को 300 श्रीफल एवं 28 अगस्त को 100 श्रीफल अर्पित करने एवं हवन के साथ तीन दिवसीय रक्षाबंधन विधान का समापन होगा, समाज के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर विधान में सहभागी बनने तथा इस आध्यात्मिक अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

धर्म को केवल क्रियाओं तक सीमित नहीं, जीवन में उतारना जरूरी : साध्वी मंजुलाश्रीजी

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए बुधवार को साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने कहा कि धर्म को सुरक्षित रखना है और उसमें स्थिर हो जाना है। धर्म केवल पूजा, मंदिर जाने या धार्मिक क्रियाएं करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मा को कषायों से बचाकर शुद्धता की ओर ले जाना ही धर्म का वास्तविक उद्देश्य है।

साध्वीश्री ने कहा कि धर्म में स्थिर होने का अर्थ है कि परिस्थितियां कैसी भी हों, हमारे भीतर सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र की भावना कमजोर नहीं होनी चाहिए। धर्म की पहली सुरक्षा हमारे अपने भावों से होती है। मन में क्रोध, अहंकार और द्वेष रखकर बाहर से कितनी भी धार्मिक क्रियाएं कर लें, आत्मा के परिणाम शुद्ध नहीं हो सकते।

उन्होंने कहा कि मंदिर जाना, जिनवाणी सुनना, सामायिक, प्रतिक्रमण, पूजा और तप तभी सार्थक हैं, जब उनका प्रभाव हमारे व्यवहार में दिखाई दे। पूजा के बाद भी छोटी-सी बात पर क्रोध आ जाए या किसी के प्रति कटुता पैदा हो जाए तो हमें स्वयं से पूछना चाहिए कि धर्म हमारे भीतर कितना आया है।

साध्वीश्री ने अनेकान्तवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि हर व्यक्ति अपनी दृष्टि और अनुभव के अनुसार संसार को देखता है। इसलिए दूसरे के विचार को तुरंत गलत मानने के बजाय उसके दृष्टिकोण को समझने की विनम्रता होनी चाहिए। अपनी मान्यता पर दृढ़ रहते हुए भी दूसरे के विचारों का सम्मान करना चाहिए। इससे मतभेद मनभेद में नहीं बदलेंगे।

उन्होंने कहा कि धर्म में स्थिरता की असली परीक्षा सुख में नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में होती है। कोई अपमान करे, विरोध करे या हमारी बात न माने, तब भी यदि हम क्षमा, संयम और समता बनाए रखते हैं तो समझना चाहिए कि धर्म हमारे भीतर उतर रहा है।

साध्वीश्री ने कहा कि दूसरों के दोष देखने से पहले अपने परिणामों को देखना चाहिए। आज किस बात पर क्रोध आया, किसके प्रति द्वेष पैदा हुआ और कहां अहंकार आया, इस पर आत्मचिंतन जरूरी है। धर्म को केवल मंदिर की चौखट तक नहीं रखना है, बल्कि वाणी में अहिंसा, व्यवहार में करुणा और जीवन में संयम दिखाई देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दूसरों से जीतना धर्म नहीं, अपने क्रोध पर जीतना धर्म है। दूसरों को बदलना धर्म नहीं, अपने परिणामों को बदलना धर्म है। जब दुख देने वाले के प्रति भी क्षमा का भाव रहे और विपरीत परिस्थितियों में भी समता बनी रहे, तभी धर्म को जानने के साथ उसमें स्थिर होने की शुरुआत होती है।

22 नगरीय निकायों के मुक्तिधामों के लिए 10.40 करोड़ मंजूर

■ हाईकोर्ट की फटकार के बाद बिलासपुर के मधुबन मुक्तिधाम को मिले 40 लाख की किश्त

बिलासपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के मुक्तिधामों की बदहाल स्थिति को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सख्ती के बाद राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। 22 नगरीय निकायों में मुक्तिधामों के निर्माण और सुधार के लिए 10.40 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। बिलासपुर नगर निगम के मधुबन मुक्तिधाम के लिए 84 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं, जिसमें से 40 लाख रुपए की पहली किश्त जारी कर दी गई है। मुक्तिधामों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों को जरूरी सुधार करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) ने नगरीय निकायों के प्रस्तावों के आधार पर राशि स्वीकृत की है।

बिलासपुर नगर निगम ने मधुबन मुक्तिधाम के विकास के लिए 1.49 करोड़ रुपए का प्रस्ताव सूडा को भेजा था। निगम के अधीक्षण अभियंता एसपी साहु के मुताबिक इसमें से 84 लाख रुपए ही स्वीकृत हुए हैं। प्रस्तावित राशि में करीब 65 लाख रुपए की कटौती किन कार्यों में हुई है, यह फिलहाल पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। नदी किनारे बाउंड्रीवॉल सहित कुछ प्रस्तावित कार्यों को अभी स्वीकृति नहीं मिली है। स्वीकृत राशि से मुक्तिधाम में शेड, नाली, आने-जाने के रास्ते और अन्य जरूरी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। सूडा की ओर से जारी 10.40 करोड़ रुपए की राशि का उपयोग नए मुक्तिधाम बनाने और पुराने मुक्तिधामों के सुधार में किया जाएगा। इसमें शेड निर्माण, बाउंड्रीवॉल, नाली व्यवस्था, रास्ते और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सूडा ने राशि जारी करते हुए निकायों के लिए कुछ शर्तें भी तय की हैं।

जैन कंप्यूटर एजुकेशन डोंगरगढ़ का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। जैन कंप्यूटर एजुकेशन रेल्वे चौक डोंगरगढ़ वर्ष 2026 के DCA एवं PGDCA का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। DCA मे कृपा भूतिया पिता श्री पवन भूतिया एवं युवराज कुमार भालेकर पिता श्री मूलचंद भालेकर ने 86.59% के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, आदित्य सिंह मरकाम पिता श्री रमेश सिंह मरकाम एवं हर्ष कुमार वर्मा पिता श्री राकेश वर्मा ने 86.44% के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं मोहम्मद नवाज़ पिता श्री अब्दुल खलील ने 86.37% के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। PGDCA मे श्रीमती पदमा मानिकपुरी पति श्री निशांत दास मानिकपुरी ने 87.62% के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, निभा मोटघरे पिता श्री शंकर मोटघरे ने 86.66% के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं अमिश मरकाम पिता श्री महेश मरकाम ने 85.33% के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों कि इस सफलता के लिये जैन कंप्यूटर एजुकेशन के संचालक श्री निशांत जैन ने सभी छात्र - छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनायें दी एवं उनके उज्जवल भविष्य कि कामना की। उन्होंने बताया कि यह संस्था 2012 से संचालित है जिसमे डोंगरगढ़ शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के बहुत से विद्यार्थी कंप्यूटर कि शिक्षा प्राप्त करने आते हैं एवं ऑनलाइन माध्यम से अन्य राज्य के एवं फूल टाइम जॉब करने वाले भी बहुत से विद्यार्थी कंप्यूटर कि शिक्षा प्राप्त करते हैं। कंप्यूटर साक्षरता अभियान चलाकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगो को कम मूल्य में उच्च स्तर कि कंप्यूटर शिक्षा प्रदान कि जाती है। बारहवी एवं ग्रेजुएशन में डिसटिंकशन अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी फीस में विशेष छूट प्रदान कि जाती है। जो विद्यार्थी कंप्यूटर सिखने के बाद जॉब करना चाहते हैं उन्हें भी जॉब असिस्टेंस कि सुविधा दी जाती है जिससे वे आत्मनिर्भर बन सके।

अयोध्या के दशरथ महल से पवित्र मिट्टी लेकर पहुंचे डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर

■ अयोध्या दशरथ महल की पवित्र मिट्टी से माता कौशल्या की मूर्ति बनेगीः डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर

रायपुर (विश्व परिवार)। चित्रोत्पला लोक कला परिषद द्वारा प्रसिद्ध लोक कलाकार राकेश तिवारी की अगुवाई में 'माता कौशल्या संग तीजा तिहार' का आयोजन 11 से 15 सितंबर 2026 तक चंदखुरी में किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में अयोध्या से आज मिट्टी लेकर वरिष्ठ लोक कलाकार डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर एवं पंडित राजेश शर्मा जी रायपुर पहुंचे .परिषद के सदस्यों हेमलाल पटेल संत हरिकर नीतीश यादव, श्रेया चंद्राकर, ललित काकड़े द्वारा उनका रेलवे स्टेशन में फुल माला, बाजा गाजा के साथ स्वागत किया गया। साथ ही अनेक सामाजिक संस्थाओं के सदस्य भी इन लोगों का स्वागत किया।

कल डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर के द्वारा पवित्र मिट्टी की छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध चित्रकार पीलू साहू को सौपेंगे एवं कल से ही श्री साहू द्वारा मूर्ति निर्माण आरंभ किया जाएगा. जिसे बाद में चंदखुरी ले जाया जायेगा।

स्वाद और विवाद दोनों छोड़ देना चाहिए : व्रत चक्रवर्ती पटटविभुषन अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। परम पूज्य पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज के सानिध्य में अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ पुष्पगिरी तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में आज उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि। भोजन का जीवन से गहरा सम्बन्ध है, जैसा भोजन होगा वैसा ही भजन होगा। यदि भोजन शुद्ध नहीं है, तो भजन शुद्ध नहीं होगा। जिसका खानपान शुद्ध नहीं है, उसका खानदान शुद्ध नहीं है। जिसकी रोटी शुद्ध नहीं है, उसकी बेटी शुद्ध नहीं है। जिसका आहार शुद्ध नहीं है, उसका व्यवहार शुद्ध नहीं है।

भोजन यह सोचकर करो, कि मैं नहीं खा रहा हूँ, अपितु मेरे भीतर जो परमात्मा मौजूद है - राम, कृष्ण, बुद्ध और महावीर, उसे मैं अर्घ्य चढ़ा रहा हूँ। जब तुम भोजन यह सोचकर करोगे, तो फिर कभी तुम माँस नहीं खा सकोगे, शराब नहीं पी सकोगे, जर्दा-तंबाकू नहीं खा सकोगे- ? क्या भगवान की पवित्र मूर्ति पर कभी तुम अपवित्र चीजों का भोग लगा सकते हो- ? नहीं। क्योंकि ऐसा करना पाप है, ठीक इसी प्रकार भोजन से पूर्व यह सोच लो--कि मैं अपने भीतर विराजमान आत्मदेव को अर्घ्य चढा रहा हूँ। उनको भोग लगा रहा हूँ, तो फिर मैं समझता हूँ कि गलत पदार्थ व्यक्ति कभी नहीं खा सकता है। फिर शराब का सेवन नहीं कर सकता है, फिर बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, गुटका, नहीं खा सकता है. आज दैनिक अमृत संदेश भोपाल के संपादक राकेश गोयल ने सह परिवार पुष्पगिरी में आकर व्रत चक्रवर्ती पटटविभुषन अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया..!!! ऐसी जानकारी प्रचार प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ने दी है।

रक्षाबंधन पर प्रतिभास्थली की छात्राओं ने सैनिक भाइयों के लिए भेजीं राखियां

■ हमारी राखी, उनकी कलाई पर; हमारा प्यार, उनके दिल के साथ

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ, चंद्रगिरि तीर्थ डोंगरगढ़ की छात्राओं ने देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात वीर सैनिक भाइयों के प्रति अपना स्नेह, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक विशेष राखी अभियान आयोजित किया।

विद्यालय की छात्राओं ने स्वयं राखियां तैयार कर उन्हें सुंदर ढंग से पैक किया। छात्राओं ने सैनिक भाइयों के लिए शुभकामना संदेश और प्यार भरे संदेश भी भेजे। इस अवसर पर छात्राओं में देशभक्ति और उत्साह का विशेष वातावरण देखने को मिला।

छात्राओं ने कहा कि हमारे सैनिक अपने परिवारों से दूर रहकर दिन-रात देश की सुरक्षा करते हैं। ऐसे वीर भाइयों के प्रति सम्मान और अपनत्व व्यक्त करने का रक्षाबंधन से बेहतर अवसर कोई नहीं हो सकता।

विद्यालय परिवार की ओर से भेजी गई इन राखियों के माध्यम से छात्राओं ने संदेश दिया- रक्षा का यह पवित्र बंधन केवल एक धागा नहीं, बल्कि देश के वीर जवानों के प्रति हमारी श्रद्धा, सम्मान और विश्वास का प्रतीक है।

गायत्री नगर में 64 रिद्धि सिद्धि मंत्रों से युक्त दीपों द्वारा वर्धमान स्त्रोत पाठ संपन्न

जयपुर (विश्व परिवार)। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जैन भारती के द्वारा 64 रिद्धि सिद्धि मंत्रों से युक्त दीपों द्वारा श्री वर्धमान स्त्रोत पाठ बड़ी भक्ति व उल्लास के साथ दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर महारानी फार्म जयपुर में 25 अगस्त 2026 7:00 बजे से आयोजित किया गया,कार्यक्रम के मुख्य संयोजक ज्योति -अरूण शाह ने मुख्य दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ कराया।

कार्यक्रम में जैन भारती के अध्यक्ष प्रमिला आलोक शाह, सचिव अनिला अशोक गंगवाल, कोषाध्यक्ष ममता रवि शाह ने उपस्थित जयपुर रीजन व वात्सल ग्रुप, नवकार ग्रुप,गुलाबी नगर ग्रुप, जयपुर मैन ग्रुप के पदाधिकारी व सदस्यों का तिलक माला दुपट्टा पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। जैन भारतीय ग्रुप के अध्यक्ष प्रमिला आलोक शाह ने बताया कि मंदिर प्रबंध समिति, विधानाचार्य पं. अजीत शास्त्री, उदयभान जैन, अनीता बडजात्या, ज्योति जैन का विशेष सहयोग रहा।कार्यक्रम में रीजन के अध्यक्ष सुनील -सुमन बज, कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन, विभिन्न ग्रुपों के पदाधिकारी व सदस्य, मंदिर प्रबंध समिति के मंत्री राजेश वोहरा,राकेश छाबड़ा, पदम झांझरी, वसंत बाकलीवाल, संतोष गंगवाल एवं अनिल बीना टोंग्या, कैलाश छाबडा, अशोक विधानसभा वाले, एडवोकेट विमल जैन, अनिल गोधा आदि महानुभाव,विभिन्न ग्रुपों के पदाधिकारी सदस्यों सहित समाज की महिला एवं पुरूषों ने उपस्थित होकर भक्ति,भजनों के साथ दीप अर्चना की गई। संचालन अरुण शाह द्वारा किया गया।

युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने अवगत कराया कि मंदिर प्रबन्ध समिति द्वारा गायत्री नगर मंदिर जी में रक्षाबंधन महापर्व के अवसर पर 27 अगस्त को प्रात: 8:00 बजे विधान आयोजित किया गया है जिसमें 700 अर्घ्य समर्पित किए जाएंगे।

आदिवासी कांग्रेस कार्यकारिणी समिति व आदिवासी सलाहकार परिषद की बैठक संपन्न

■ आदिवासी हितों और अधिकारों के साथ संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। राजीव भवन में आयोजित आदिवासी कांग्रेस कार्यकारिणी समिति एवं आदिवासी सलाहकार परिषद की बैठक में आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रांत भूरिया जी का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के अनुपालन की जानकारी ली गई, वनाधिकार पट्टे और जल जंगल जमीन पर आदिवासी हितों की जानबूझ की जा रही उपेक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा हुई, संगठन स्तर पर बड़े आंदोलन की रूपरेखा भी बनाई गई।

कांग्रेस आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। आज के इस विशेष बैठक में आदिवासी समाज से जुड़े सभी विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, संसाधनों के असंतुलित दोहन से उत्पन्न हो रहे पर्यावरणीय संकट और उससे प्रभावित हो रहे आदिवासियो के अधिकारों एवं हितों को लेकर गहन मंथन किया गया। इसके साथ ही संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही आदिवासी समाज की आवाज को मजबूती से उठाने और संगठन को जमीनी स्तर पर और सशक्त बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बैठक में भाजपा सरकार के खिलाफ आदिवासी दिवस न मनाने पर निंदा प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। निंदा प्रस्ताव में कहा गया कि विश्व आदिवासी दिवस के दिन राज्य की भाजपा सरकार के द्वारा कोई भी आयोजन नहीं किया गया। मुख्यमंत्री सहित सत्तारूढ़ दल के मंत्रियों, विधायकों और नेताओं इस अवसर राज्य की 32 प्रतिशत आदिवासी समाज को बधाई देने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

विश्व आदिवासी दिवस कोई राजनैतिक कार्यक्रम नहीं है। आदिवासी अस्मिता के गौरव का दिन है। विश्व आदिवासी दिवस दुनियां के सामने आदिवासी समाज की एकता, संस्कृति को सामने लाने का दिन है। आरएसएस आदिवासी संस्कृति को स्वतंत्र सभ्यता मानने का विरोध करती है। वह आदिवासियों को आज भी पिछलग्गू बना कर रखना चाहती है। भाजपा आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन पर से अधिकार को छीनने आदिवासियों को आदिवासी नहीं वनवासी बताती है। वह जल, जंगल, जमीन को अपने उद्योगपति मित्रों को सौंपना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आरएसएस के राजनैतिक एजेंडे के अनुसार विश्व आदिवासी दिवस का तिरस्कार करके आदिवासी समाज का अपमान किया है। यह सदन विश्व आदिवासी दिवस के दिन आदिवासी समाज के अपमान के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार के खिलाफ निन्दा प्रस्ताव पारित करता है।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू , आदिवासी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जनक ध्रुव, डॉ. शिवकुमार डहरिया एवं श्री अमरजीत भगत, विधायकगण, पूर्व विधायकगण सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खमीर युक्त ब्रेड से गौवंशों का सुधरेगा पाचन

■ पीपला फाउंडेशन का गौसेवा अभियान

आरंग (विश्व परिवार)। स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा मंगलवार को नगर में गौवंशों को खमीर युक्त ब्रेड खिलाया गया। फाउंडेशन के सदस्यों ने बताया कि गौवंश अक्सर कचरे के साथ पॉलीथिन, झिल्ली व कागज खा लेते हैं, जिससे उनका पाचन तंत्र बिगड़ जाता है और वे बीमार हो जाते हैं। खमीर युक्त ब्रेड खिलाने से उनका पाचन तंत्र सुधरता है और पेट में जमा कचरा गोबर के माध्यम से बाहर निकल जाता है। इसी उद्देश्य को लेकर संस्था द्वारा जनसहयोग से समय-समय पर गौसेवा अभियान चलाया जाता है। इस सेवा कार्य में दूजेराम धीवर, महेन्द्र कुमार पटेल, संजय मेश्राम, कोमल लखोटी, यादेश देवांगन, कियांश देवांगन ने सक्रिय भागीदारी निभाई। वहीं संस्था के सदस्यों ने नागरिकों से गौवंशों की सेवा हेतु इस पुनीत कार्य में सहयोग करने की अपील की है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, गुरुवार 27 अगस्त 2026

हिंदू धर्म के अनुयायी तथा हिंदू धर्म में विश्वास रखने वाले लोग सौर वर्ष के पांचवें महीने को 'श्रावण' के रूप में मनाते हैं। इसे एक पवित्र महीना माना जाता है जिसमें भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है।

सावन के महीने में अगर पाना है अच्छा भाग्य तो जानें क्या करें और क्या ना करें

श्रावण पूर्णिमा से प्रारंभ होता है तथा इस दौरान सूर्य सिंह राशि में प्रवेश करता है। इस महीने में कई हिंदू लोग उपवास रखते हैं। विशेष रूप से सोमवार को व्रत रखा जाता है जो भगवान शिव को समर्पित होता है तथा इसे 'श्रावण सोमवार व्रत' कहा जाता है। कुछ लोग मंगलवार को भी उपवास करते हैं जिसे 'मंगलागौरी व्रत' कहा जाता है।

हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार निम्न तरीकों से आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं तथा दुर्भाग्य और बुरी शक्तियों से बच कर रह सकते हैं।

1. सुबह जल्दी उठकर पूजा अर्चना करें

सुबह सूर्योदय के पहले उठकर स्नान करें और पास के शिव मंदिर में जाएँ। शिवलिंग पर ठंडे दूध और पानी का मिश्रण चढाएं तथा साथ में 'ऊँ नम: शिवाय' का जप करते रहें।

2.प्रतिदिन शिवलिंग की पूजा करें

घर में सिद्ध पारद शिवलिंग (पारे से बना हुआ शिवलिंग) लायें तथा श्रावण के महीने में प्रतिदिन इसकी पूजा करें। इसे ठंडे दूध से नहलाएं तथा फिर ठंडे पानी से नहलाएं। इसे साफ करें तथा भगवान को बिल्व पत्र (बेल के पत्ते) और मिश्री चढाएं।

3.मछलियों को खाना खिलाएं

नियमित रूप से किसी झील, तालाब या नदी पर या ऐसी जगह जाएँ जहाँ पानी के जीव निवास करते हों तथा जीवों को आटे की गोलियाँ खिलाएं। मछलियों को खिलाते समय भगवान शिव का ध्यान करें। ऐसा कहा जाता है कि ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है।

4.प्रतिदिन महामृत्युंजय जाप करें

ऐसे लोग जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ रही हैं उन्हें प्रतिदिन महामृत्युंजय का 108 बार जाप करने से लाभ होता है। जिन लोगों को संभव हो वे प्रत्येक श्रावण सोमवार को महामृत्युंजय हवन करें।

5.यदि शादी में देरी हो तो ऐसा करें

यदि वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ रही हैं या शादी में देरी हो रही है तो आपको शिवलिंग पर केसर युक्त दूध अर्पित करना चाहिए। ऐसा विश्वास है कि ऐसा करने से संबंधों में आने वाली सारी रुकावटें दूर हो जाती हैं तथा आपको भगवान शिव और देवी पार्वती का आशीर्वाद मिलता है।

क्या न करें

- कुछ ऐसे बातें है जिन्हें श्रावण के महीने में नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से आपन केवल नकारात्मक उर्जा को आकर्षित करते हैं बल्कि आपके घर से शांति और समृद्धि भी चली जाती है।
- मांसाहार तथा शराब का सेवन न करें
- श्रावण के महीने में मांसाहार न करें तथा शराब का सेवन भी न करें।
- सांप को न मारें। श्रावण के महीने में सांप को न मारें। भगवान शिव को सांप अत्यंत प्रिय है।

बुधवार को गणेशजी के परिवार की पूजा से सभी तरह की बाधाएं दूर होती हैं

ऋद्धि और सिद्धि इनकी पत्नियां हैं, ऋद्धि से लाभ एवं सिद्धि से शुभ हुए यानि लाभ और शुभ ये इनके दो पुत्र माने जाते हैं। हर शुभ कार्य में भगवान श्री गणेश की पूजा की जाती है।

हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। गणपति की महिमा को सभी जानते हैं और यह भी जानते हैं कि वे माता पार्वती और भगवान शिव के पुत्र हैं। लेकिन बहुत कम लोग हैं जो इससे आगे गणेश के परिवार के बारे में जानते हैं, उनकी पत्नी और बच्चों के बारे में जानते हैं। जी हां भगवान श्री गणेश की पत्नियां भी हुई और बच्चे भी। मान्यता है कि यदि बुधवार के दिन इनके परिवार की पूजा की जाये तो भगवान श्री गणेश की कृपा अवश्य मिलती है।

प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जानी अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न के पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि देवगणों ने स्वयं उनकी अग्रपूजा का विधान बनाया है। शास्त्रों में एक बार जिक्र आता है कि भगवान शंकर त्रिपुरासुर का वध करने में जब असफल हुए, तब उन्होंने गंभीरतापूर्वक विचार किया कि आखिर उनके कार्य में विघ्न क्यों पडा। तब महादेव को ज्ञात हुआ कि वे गणेशजी की अर्चना किए बगैर त्रिपुरासुर से युद्ध करने चले गए थे। इसके बाद शिवजी ने गणेशजी का पूजन करके उन्हें लड्डुओं का भोग लगाया और दोबारा त्रिपुरासुर पर प्रहार किया, तब उनका मनोरथ पूर्ण हुआ।

सनातन एवं हिन्दू शास्त्रों में भगवान गणेश जी को, विघ्नहर्ता अर्थात सभी तरह की परेशानियों को खत्म करने वाला बताया गया है। पुराणों में गणेशजी की भक्ति शनि सहित सारे ग्रहदोष दूर करने वाली भी बताई गई हैं। हर बुधवार के शुभ दिन गणेशजी की उपासना से व्यक्ति का सुख-सौभाग्य बढता है और सभी तरह की रुकावटे दूर होती हैं।

अष्ट लक्ष्मी साधना विधि:

शुक्रवार की रात तकरीबन 09:00 बजे से 10:30 बजे के बीच गुलाबी कपडे पहने और गुलाबी आसान का प्रयोग करें। गुलाबी कपडे पर श्रीयंत्र और अष्ट लक्ष्मी का चित्र स्थापित करें। किसी भी थाली में गाय के घी के 8 दीपक जलाएं। गुलाब की अगरबत्ती जलाएं। लाल फूलो की माला चढाएं। मावे की बर्फी का भोग लगाएं। अष्टगंध से श्रीयंत्र और अष्ट लक्ष्मी के चित्र पर तिलक करें और कमलगट्टे हाथ में लेकर इस मंत्र का यथासंभव जाप करें।

मंत्र: ऐं ह्रीं श्रीं अष्टलक्ष्मीयै ह्रीं सिद्धये मम गृहे आगच्छागच्छ नम: स्वाहा।।

जाप पूरा होने के बाद आठों दीपक घर की आठ दिशाओं में लगा दें तथा कमलगट्टे घर की तिजोरी में स्थापित करें। इस उपाय से जीवन के आठों वर्गों में सफलता प्राप्त होगी।

श्री महालक्ष्मी पूजन के सरल मंत्र

महालक्ष्मी का पूजन सुख-समृद्धि की प्राप्ति कराता है। वैभव लाता है। महालक्ष्मी के पूजन में निम्न में से किसी भी एक मंत्र का जप 108 बार करना चाहिए।

श्री महालक्ष्मी के पूजन के सरल मंत्र

महालक्ष्मी पूजन के दो सरल मंत्र हैं। जिनका उच्चारण भी सरल है। महालक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए रोज इन मंत्रों का जप किया जा सकता है।

श्री महालक्ष्म्यै नम:।

ऊँ महालक्ष्म्यै नम:।

श्री महालक्ष्मी के अन्य मंत्र-

शास्त्रों में देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के कई मंत्र हैं। जिनमें से तीन मंत्र इस प्रकारहैं। इन मंत्रों को तीव्र असरकारी कहा गया है।

लेकिन उच्चारण में कठिन है। इसलिए प्रशिक्षित होने पर ही इन मंत्रों का जाप करें।

एकाग्रता के लिए घर में हो वास्तु

जॉब हासिल करना सभी की ख्वाहिश होती है, लेकिन इसके लिए वर्तमान में कई तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करना होता है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है। ऐसे में आप जहां बैठकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं क्या वो बेहतर हैं यहां बेहतर से आशाय वास्तु से हैं। यहां ऐसे ही कुछ वास्तु टिप्स मौजूद है, जिन्हें आप आजमाते हैं तो संभव है आपकी एकाग्रशक्ति बढेगी और आप प्रतियोगी या अन्य परीक्षाओं में बेहतर अंक हासिल कर सकते हैं।

जहां भी पढने बैठें, उस स्थान को हमेशा साफरखें। स्टडी रूम हमेशा घर में पश्चिम या ईशान कोण में ही बनाना चाहिए। घर के नैऋत्य व आग्नेय कोण में बैठकर कभी भी पढाई न करें। पढते समय आपकी पीठ दरवाजे की तरफनहीं होनी चाहिए। ध्यान रखें पढते समय मुंह पूर्व या उत्तर दिशा की ओर ही हो। जिस भी रूप में पढते हों उस वह रूम पीले, क्रीम या नार्मल ब्राइट रंगों से पेंट होना चाहिए। ऐसे में आपकी एकाग्रता बनी रहेगी। स्टडी रूम में दौडते घोडों, और प्रेरक वाक्यों की तस्वीर लगाएं। ऐसे में ध्यान भटकने पर भी ध्यान केंद्रित होने में वक्त नहीं लगेगा।

शुक्रवार को करें मां लक्ष्मी का ये अदभुत पूजन और मंत्र का जाप, कभी नहीं होंगे धन अभाव

शक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। अगर आप काफी समय से आर्थिक तंगी में है तो अपने काम के साथ साथ मां लक्ष्मी का इस तरह पूजन अवश्य करें । शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी को चंचला कहा जाता है अर्थात जो कभी एक स्थान पर रुकती नहीं।

इन आठ लक्ष्मी की साधना करने से मानव जीवन सफल हो जाता है। अष्ट लक्ष्मी और उनके मूल बीज मंत्र इस प्रकार है। अष्ट लक्ष्मी साधना का उदेश जीवन में धन के अभाव को मिटा देना है।

शक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। अगर आप काफी समय से आर्थिक तंगी में है तो अपने काम के साथ साथ मां लक्ष्मी का इस तरह पूजन अवश्य करें । शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी को चंचला कहा जाता है अर्थात जो कभी एक स्थान पर रूकती नहीं। अत: लक्ष्मी अर्थात धन को स्थायी बनाने के लिए कुछ उपाय, पूजन, आराधना, मंत्र-जाप आदि का विधान है।

ऋषि विश्वामित्र के कठोर आदेश अनुसार लक्ष्मी साधना गोपनीय एवं दुर्लभ है तथा इसे गुप्त रखना चाहिए। ऐसा शास्त्रोक्त वर्णित है के समुद्र-मंथन से पूर्व सभी देवता निर्धन और ऐश्वर्य विहीन हो गए थे तथा लक्ष्मी के प्रकट होने पर देवराज इंद्र ने महालक्ष्मी की स्तुति की, जिससे प्रसन्न होकर महालक्ष्मी ने देवराज इंद्र को वरदान दिया कि तुम्हारे द्वारा दिए गए द्वादशाक्षर मंत्र का जो व्यक्ति नियमित रूप से प्रतिदिन तीनों संध्याओं में भक्तिपूर्वक जप करेगा, वह कुबेर सदृश ऐश्वर्य युक्त हो जाएगा।

ऐसा शास्त्रों में वर्णन आता है के महालक्ष्मी के आठ स्वरुप है। लक्ष्मी जी के ये आठ स्वरुप जीवन की आधारशिला है। इन आठों स्वरूपों में लक्ष्मी जी जीवन के आठ अलग-अलग वर्गों से जुडी हुई हैं। इन आठ लक्ष्मी की साधना करने से मानव जीवन सफल हो जाता है। अष्ट लक्ष्मी और उनके मूल बीज मंत्र इस प्रकार है।

अष्ट लक्ष्मी साधना का उदेश जीवन में धन के अभाव को मिटा देना है। इस साधना से भक्त कर्जे के चक्रव्हयु से बहार आ जाता है। आयु में वृद्धि होती है। बुद्धि कुशाग्र होती है। परिवार में खुशाहाली आती है। समाज में सम्मान प्राप्त होता है। प्रणय और भोग का सुख मिलता है। व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा होता है और जीवन में वैभव आता है।

श्री आदि लक्ष्मी - ये जीवन के प्रारंभ और आयु को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ श्रीं।।

श्री धान्य लक्ष्मी - ये जीवन में धन और धान्य को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ श्रीं क्लीं।।

श्री धैर्य लक्ष्मी - ये जीवन में आत्मबल और धैर्य को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं।।

श्री गज लक्ष्मी - ये जीवन में स्वास्थ और बल को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं।।

श्री संतान लक्ष्मी - ये जीवन में परिवार और संतान को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ हीं श्रीं क्लीं।।

श्री विजय लक्ष्मी यां वीर लक्ष्मी - ये जीवन में जीत और वर्चस्व को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ क्लीं ऊँ।।

श्री विद्या लक्ष्मी - ये जीवन में बुद्धि और ज्ञान को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ ऐं ऊँ।।

श्री ऐश्वर्य लक्ष्मी - ये जीवन में प्रणय और भोग को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऊँ श्रीं श्रीं।।

ऊँ श्रीं श्रियै नम:।
श्रीं हीं क्लीं ऐं कमलवासिन्यै स्वाहा ।
ऊँ श्रीं हीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं हीं श्रीं ऊँ महालक्ष्म्यै नम:।

भगवान कल्कि ही नहीं गणेश भी लेंगे अवतार

जब जब पृथ्वी पर दैत्यों के आतंक का साया रहा तब तब भगवान विष्णु, शिव, माता पार्वती यहां अवतरित हुए। भगवान गणेश भी चारों युगों में अवतरित हुए हैं।

हैं। मां पार्वती उनकी मां है। भगवान मुरुगन यानी कार्तिकेय उनके भाई हैं, और गजानन की बहन अशोक सुंदरी हैं। भगवान गणेश की दो पत्नियां हैं रिद्धि और सिद्धि। हालांकि दक्षिण भारत में गणेश जी को ब्रहमचारी के रूप में पूजा जाता है। गणेश जी के दो पुत्र हैं शुभ और लाभ।

उन्हें मोदक प्रिय है। लाल रंग के फूल से गणेशजी जल्द प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा उन्हें दुर्वा, शमी पत्र भी अर्पित करना चाहिए। गणेश जी के अस्त्र पाश और अकुश हैं। और वाहन मूषक।

बुद्धि के लिए रोज करें इन नामों का पाठ

हिंदू पौराणिक ग्रंथो में उल्लेखित है। यदि भगवान गणेश के इन बारह नामों का रोज पाठ करें तो बुद्धि, गृहक्लेश और समृद्धि आपके घर में रहेंगी। यह नाम क्र मश: सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र, विघ्नराज, द्वैमातुर, गणाधिप, हेरम्ब, गजानन।

सतयुग में गणेश जी महोत्कट विनायक के नाम से, त्रेतायुग में मयूरेश्वर, द्वापर युग में शिवपुत्र गजानन के नाम से अवतरित हुए।

और इस तरह पृथ्वी के अंत में जब भगवान कल्कि अवतरित होंगे उसी दौरान भगवान गणेश धूम्रकेतु रूप में अवतरित होंगे। इस बात का उल्लेख हमारे हिंदू धर्म ग्रंथों में मिलता है।

ये हैं गणेश परिवार

भगवान गणेश के पिता भोलेनाथ

घर में धन की वर्षा होने लगेगी अगर वहां से तुरंत हटा देंगे ये चीजें

हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर ऐसा बना हो, जो पूरी तरह से वास्तु के हिसाब से हो तथा घर में हमेशा सकारात्मकता आए और उसमें रहने वाले हर व्यक्ति की तरक्की हो।

मगर कई बार होता यह है कि हमारा घर तो वास्तु केहिसाब से ही बना होता है, मगर हम उसमें रखी कुछ चीजों पर ध्यान नहीं दे पाते, जो हमारे घर के विनाश का कारण बन जाती है। वास्तु के अनुसार, घर में कई ऐसी चीजें होती हैं, जिसका बुरा असर सीधे आपके पैसों पर पडता है।

इन चीजों को हटाने पर अगर आपने ध्यान नहीं दिया तो, आप कब गरीबी के रास्ते चले जाएंगे, आपको खुद ही मालूम नहीं पडेगा।

घर आपका चाहे जैसा हो, पर अगर आप उसमें से इन चीजों का सफाया कर देंगे तो, आप जीवन भर खुश और पैसे वाले बनें रहेंगे। आइये जानते हैं क्या हैं वे चीजें।

कबूतर का घोंसला

यह कहा जाता है कि घर में कबूतर का घोंसला होने गरीबी के साथ-साथ घर में अस्थिरता भी आ जाती है। अगर आपके घर में ऐसा ही एक घोंसला है, तो रसे घर से दूर रख दें।

मधुमक्खी का छत्ता

एक मधुमक्खी का छत्ता आप के लिए ना सिर्फखतरनाक ही है, बलकि यह घर में दुर्भाग्य और गरीबी को आकर्षित करता है। इसे घर से जल्द से जल्द दूर करें।

मकडी का जाला

घर में मकडी का जाला आपके जीवन में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का संकेत है --- तुरंत इसे हटाएं और अपने घर को साफकरें।

टूटा शीशा

यह ना खराब वास्तु का प्रतीक है बलकि यह घर में निगेटिव एनर्जी को भी आकर्षित करता है। इससे घर में गरीबी बनी रहती है।

चमगादड

चमगादड खराब स्वास्थ्य, दुर्भाग्यपूर्ण स्थितियों, गरीबी या यहां तक कि मौत के पदाधिकारी माने माने जाते हैं। यदि आप कि क्षेत्र में चमगादड दिखते हैं, तो सूर्यास्त के बाद सभी खिडकियां और दरवाजे सील कर दें, जिससे वह घर के अंदर ना आ पाएं।

दीवार में सेंध

दीवर में दरार या सेंध को तुरंत ठीक करवाएं नहीं तो घर में गरीबी आती है।

टपकने वाले नल

टपकने वाले नल ना सिर्फ पानी वेस्ट करते हैं बलकि घर की सकारात्मक ऊर्जा को घर के बाहर घसीटने का काम भी करते हैं।

घर की छत पर रखा कबाड

अक्सर लोगों की घरों की छतों पर कू डा या पुराना फर्नीचर पडा होता है, जिसे तुरंत साफ करना चाहिये नहीं तो गरीबी वास करने लगती है।

पुराने पूजा के फूल

रोज भगवान की पूजा करते समय जो फूल आप उन्हें चढाती हैं, वह दूसरे दिन पुराने हो जाते हैं। उस जगह को रोज साफकर के फूलों को हटा दिया कीजिये। नहीं तो इससे घर में गरीबी वास करने लगती है।

सूखी पतियां

घर में लगे पेड पौधों की सूखी पतियों को काट कर अलग कर दिया करें। साथ ही घांस-फूंस को झाडू मार कर बाहर फेक दिया करें नहीं तो गरीबी आ सकती है।

लूज हुआ तार

घर में लूज या खराब तार नहीं रखना चाहिये। या फिर घर का कोई भी एलेक्ट्रिक अप्लायंस अगर काम करना बंद कर दे तो या तो उसे तुरंत रिपेयर करवाएं या फिर उसे घर से हटा दें।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, गुरुवार 27 अगस्त 2026

विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से 1 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की मिली स्वीकृति

■ पंडरिया नगर के विकास को मिली नई रफ्तार

कवर्धा (विश्व परिवार)। नगर पालिका पंडरिया अंतर्गत विभिन्न वार्डों में विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों के लिए आज नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा ?1 करोड़ 4 लाख 18 हजार की स्वीकृति मिली है। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के निरंतर प्रयासों से पंडरिया नगर के हर वार्ड में जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है वहीं जनता की सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। नगर पालिका परिषद् पंडरिया अंतर्गत मिली इस स्वीकृति के लिए विधायक भावना बोहरा ने समस्त नगरवासियों को बधाई देते हुए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी का आभार व्यक्त किया। इस राशि से नगर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, पुलिया, पेवर ब्लॉक, बाउंड्रीवॉल सहित विभिन्न आवश्यक अधोसंरचना कार्य कराए जाएंगे।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया नगर सहित पूरी विधानसभा में विकास कार्य लगातार तीव्र गति से हो रहें हैं। आज पंडरिया नगर में चारों ओर सड़कों का जाल बिछ रहा है और अधोसंरचना के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। 1 करोड़ से अधिक की मिली इस स्वीकृति से नगर की मूलभूत सुविधाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पंडरिया विधानसभा की जनता जो विश्वास मेरे प्रति व्यक्त किया है उस विश्वास के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए हम निरंतर प्रयास कर रहें हैं। विगत वर्षों में पंडरिया नगर में जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई हैं। हरिनाला पुल, पंडरिया बाईपास, 250 सीटर नालंदा परिसर लाइब्रेरी और ऑडिटोरियम, पंडरिया नगर मुख्य मार्ग का निर्माण, बिसेसरा नाला से हरिनाला तक सड़क निर्माण, नवीन नगर पालिका भवन, नवीन व्यवहार न्यायालय (सिविल कोर्ट) भवन निर्माण, व्यावसायिक परिसर, मिनी स्टेडियम, चौक-चौराहों का सौन्दर्यीकरण, हर वार्ड व प्रमुख सड़कों के निर्माण तथा पंडरिया विधानसभा के प्रत्येक गाँव तक सड़क, नाली,पुल-पुलिया, बिजली, प्रकाश व्यवस्था व पेयजल सुविधा जैसे जनसुविधाओं के विस्तार एवं विकास कार्यों से पंडरिया नगर निरंतर विकास पथ पर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में निरंतर जनता से मिलना उनसे संवाद करना, उनकी आवश्यकताओं को जानना यह हमारी प्राथमिकता है और उसके अनुरूप ही आज पंडरिया नगर के हर वार्ड में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, न्याय व्यवस्था, नगरीय सुविधाओं और अधोसंरचना से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि पंडरिया नगर को सुविधायुक्त और विकसित नगर के रूप में नई पहचान मिले। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प और माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास की गति तेज हुई है। वहीं उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव जी के मार्गदर्शन में नगरीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं और अधोसंरचना के विस्तार को प्राथमिकता मिल रही है। आज भाजपा सरकार की जनहितैषी नीतियों से पंडरिया विधानसभा में किसानों को खेती के लिए पानी और पेयजल हेतु 300 करोड़ से अधिक के सिंचाई एवं जल आवर्धन परियोजनाएं अपना आकार ले रहीं हैं। पंडरिया नगर और हमारा पूरा विधानसभा निरंतर विकास कर रहा है, वनांचल एवं आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में आज पक्की सड़कें आवागमन को सुगम बना रहीं हैं वहीं उन क्षेत्रों में संसाधनों की पहुँच सुनिश्चित कर रही है। 3500 से अधिक पीएम अवास से उन्हें पक्की छत मिली, स्वच्छ पेयजल और विद्युत् विहीन गाँव तक बिजली एवं विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रही हैं।

फोटो जर्नलिस्ट फेस्ट के विजेताओं की घोषणा

■ तस्वीरों ने जीता दिल, गोकुल सोनी बने फोटो जर्नलिस्ट फेस्ट के स्टार

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर प्रेस क्लब द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय फोटो जर्नलिस्ट फेस्ट दृश्य संवाद2026 के समापन के बाद बुधवार को विभिन्न प्रतियोगिता श्रेणियों के विजेताओं की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में फेस्ट का समापन हुआ था। प्रतियोगिता में फोटो जर्नलिस्टों की उत्कृष्ट तस्वीरों की प्रदर्शनी के साथ विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में वरिष्ठ पत्रकार एवं छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रन्थ अकादमी के उपाध्यक्ष शशांक शर्मा, प्रसिद्ध वाइल्ड एवं नेचर फोटोग्राफर अभिनंदन तिवारी तथा फोटोग्राफी प्रशिक्षक भीष्म यादव शामिल रहे। निर्णायकों ने अपने-अपने ऑब्जर्वेशन के आधार पर तस्वीरों का मूल्यांकन किया और प्राप्त अंकों की कुल रैंकिंग के आधार पर विजेताओं का चयन किया।

समाचार एवं लोक सरोकार कैटेगरी में वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट गोकुल सोनी की टैंकर ब्लास्ट की तस्वीर ने प्रथम स्थान हासिल किया। द्वितीय स्थान पर मनोज देवांगन, किशन लोखंडे और हेमंत गोस्वामी संयुक्त रूप से विजेता रहे। तृतीय स्थान हीरा मानिकपुरी और जय गोस्वामी को संयुक्त रूप से मिला।

प्रकृति एवं पर्यावरण कैटेगरी में भी गोकुल सोनी की बस्तर के वनों पर आधारित तस्वीर प्रथम रही। द्वितीय स्थान राजकुमार चतुर्वेदी की 'भालुओं की अठखेलियां' और मनोज देवांगन की सांप की भांबी तस्वीर को संयुक्त रूप से मिला। तृतीय स्थान प्रदीप डडसेना की फूल पर उड़ते किंगफिशर पक्षी की तस्वीर को मिला।

संस्कृति एवं परंपरा कैटेगरी में गोकुल सोनी की मुर्गा लड़ाई पर आधारित तस्वीर ने प्रथम पुरस्कार हासिल किया। द्वितीय पुरस्कार राजकुमार चतुर्वेदी की पोला पर्व में बैल दौड़ को दर्शाती तस्वीर को तथा तृतीय पुरस्कार संतोष तिवारी की कंधे पर दूल्हे को लेकर जाती बारात की तस्वीर को मिला।

फेस्ट में प्रेस क्लब के गैर-सदस्य शौकिया एवं प्रोफेशनल फोटोग्राफरों के लिए आयोजित ओपन कैटेगरी में भंवर लाल पुरोहित की प्रकृति और पक्षी को दर्शाती तस्वीर प्रथम रही। द्वितीय पुरस्कार नवीन देवांगन की बुजुर्ग व्यक्ति की तस्वीर को मिला। तृतीय पुरस्कार वेदांत मिश्रा (वर्दियों में कुत्ता)और अथर्व (मुर्गा बाजार)को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

रायपुर सेंट्रल जेल में गायत्री परिवार ने मनाया अनोखा रक्षाबंधन

■ अपनों से दूर बंदियों के सूने हाथों में सजा विश्वास का धागा

रायपुर (विश्व परिवार)। परिवार और समाज की मुख्यधारा से दूर रहकर अपनी गलतियों का प्रायश्चित कर रहे बंदियों के जीवन में इस रक्षाबंधन आत्मिक उजियारा फैल गया। अखिल विश्व गायत्री परिवार, रायपुर के तत्वावधान में केंद्रीय जेल रायपुर में एक ऐसा भावुक और प्रेरणादायी रक्षाबंधन पर्व मनाया गया, जिसने पत्थर से दिल को भी पिघला दिया। बहनों के आंचल की छांव और ममता भरे अहसास ने जेल में बंद बंदियों में सलाखों के दर्द को कुछ पल के लिये भुला दिया। इस आत्मीय आयोजन के दौरान गायत्री परिवार की बहनों ने लगभग 200 बंदी भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। राखी बंधवाते ही कई बंदी भाइयों के सब्र का बांध टूट गया और उनकी आंखों से छलक आए आंसू इस बात की गवाही दे रहे थे कि भाई-बहन का यह पवित्र बंधन हर दूरी और हर दीवार से बहुत ऊपर है।

इस अवसर पर केवल रस्म अदायगी नहीं हुई, बल्कि बंदियों के मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान पर विशेष जोर दिया गया। गायत्री परिवार की ओर से सभी को सत्संकल्प का पाठ कराया गया। जिला समन्वयक श्री लच्छुराम निषाद ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि, कानून की नजर में भले ही व्यक्ति अपराधी हो सकता है, लेकिन ईश्वर की नजर में हर आत्मा में सुधार की असीम संभावना होती है। जेल कोई अंत नहीं, बल्कि खुद को टटोलने और एक नया इंसान बनकर उभरने का स्वर्णिम अवसर है।

कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन डे का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर के मुख्य ऑडिटोरियम में 'ग्रेजुएशन डे 2026' का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें उत्तीर्ण विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना, छात्र तरुण जांगड़े द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य गीत की प्रस्तुति और अतिथियों के पौधे भेंट कर हरित स्वागत के साथ हुई।

इस अवसर पर मुख्य रूप से कुलाधिपति श्री दसारि मुरली कृष्णा, कुलपति प्रो. वाई. नरसिम्हुलु, समूह निदेशक डॉ. एस. एन. पांडा, कुलसचिव डॉ. रितेश देवांगन, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. सीमा अग्रवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप सोनकर, आईबी प्राचार्य श्री भरतन शाह और सीबीएसई प्राचार्य डॉ. प्रियंका गुप्ता उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न विषयों के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को 'अचीवर अवार्ड्स' से सम्मानित किया गया और सभी ग्रेजुएट्स को सर्टिफिकेट्स प्रदान किए गए। स्वागत भाषण देते हुए कुलपति प्रो. वाई. नरसिम्हुलु ने कहा कि 'शिक्षा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सबसे सशक्त माध्यम है और तकनीक आज के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण गेम-चेंजर है,' साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार करने की प्रेरणा दी। मुख्य भाषण में कुलाधिपति श्री दसारि मुरली कृष्णा ने कहा कि 'वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए किताबी ज्ञान से परे मजबूत भावनात्मक बुद्धिमत्ता (इमोशनल इंटेलिजेंस) की आवश्यकता होती है,' और छात्रों को बड़े सपने देखने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के अंत में कृष्णा विकास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के समूह निदेशक डॉ. एस. एन. पांडा ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जिसमें उन्होंने समस्त अतिथियों, विश्वविद्यालय प्रशासन, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान और आधिकारिक फोटो सत्र के साथ हुआ।

पारंपरिक बाजारों को 'स्मार्ट बाजार' बनाने कैट ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

■ महापौर मीनल चौबे से हुई महत्वपूर्ण बैठक, स्मार्ट बाजारों को लेकर हुई सकारात्मक चर्चा : अमर पारवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि रायपुर शहर के पारंपरिक एवं प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों को आधुनिक, सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं व्यापार-अनुकूल 'स्मार्ट बाजार' के रूप में विकसित करने को लेकर CAIT के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी के नेतृत्व में रायपुर की महापौर मीनल चौबे से महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में शहर के बाजारों की मूलभूत सुविधाओं एवं व्यापारियों तथा आम नागरिकों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई।

बैठक में CAIT की ओर से पूर्व में प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेखित प्रमुख विषयों पर चर्चा करते हुए रायपुर के बाजारों में बेहतर सड़क एवं जल निकासी व्यवस्था, सुव्यवस्थित यातायात एवं पार्किंग, अग्निशमन व्यवस्था, CCTV कैमरों के माध्यम से सुरक्षा, बिजली की खुली तारों को व्यवस्थित करने, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, हाईमास्ट लाइट तथा पुरुष एवं महिला शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

यह युवा कांग्रेस का चुनाव नहीं, कांग्रेस की 'चूहा दौड़' और गुटबाजी का खुला प्रदर्शन है : भाजयुमो

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने युवा कांग्रेस के चुनावों में मचे घमासान और अंतर्कलह पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि कांग्रेस के डीएनए में ही गुटबाजी और कुर्सी की लड़ाई बसी हुई है, जो अब युवा कांग्रेस के स्तर पर भी साफनजर आ रही है। श्री टिकरिहा ने कहा कि यूथ कांग्रेस के चुनाव महज एक दिखावा हैं, दरअसल यह कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के बीच चल रही वर्चस्व की लड़ाई है, जिसमें युवा कार्यकर्ताओं को मोहरा बनाया जा रहा है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री टिकरिहा ने कहा कि हालिया घटनाक्रम में विधायक देवेंद्र यादव ने कथित तौर पर अपने ही 'आका' पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के उम्मीदवार के सामने अपना प्रत्याशी खड़ा कर दिया है। इससे साबित होता है कि कांग्रेस में वफादारी का कोई मोल नहीं है। यहाँ सिर्फ व्यक्तिगत हितों और गुटबाजी की ही ट्रेनिंग मिलती है। श्री टिकरिहा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस पार्टी को देश के युवाओं के लिए भविष्य की योजनाएँ बनानी चाहिए, वह आपस में ही 'चूहे-बिल्ली' का खेल खेल रही है। यह चुनाव नहीं, बल्कि कांग्रेस की 'चूहा दौड़' है, जहाँ हर कोई एक-दूसरे को गिराकर आगे बढ़ने की कोशिश में लगा है।

जिला अध्यक्षों की शिकायत ने खोली भाजपा सरकार की पोल: कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि प्रदेश भाजपा कि संगठनात्मक बैठक में जिला अध्यक्षों के द्वारा अपने ही मंत्रियों पर जनता से जुड़े मुद्दों पर अपने प्रभार क्षेत्र में कार्य न करने पर सवाल उठाना दर्शाता है कि इस सरकार से जनता ही नहीं अपितु उनके कार्यकर्ता भी नाराज है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि भाजपा की बैठक के दौरान संगठन महामंत्री के द्वारा यह कहना की प्रभारी मंत्री अपने क्षेत्र में जाएं और जनता से जुड़े मुद्दों पर काम करें इससे यह स्पष्ट होता है कि 3 साल होने को हो रही इस सरकार में अब इनके पार्टी के बड़े नेता जिला अध्यक्ष और कार्यकर्ता तक यह मानते हैं कि जनता से जुड़े मुद्दे चाहे वह बिजली रेट की बात हो या स्मार्ट मीटर की उस पर संज्ञान ना लेते हुए,प्रदेश के मंत्री अपने ही पार्टी के जिला अध्यक्षों के द्वारा सवाल उठाने के बाद भी आंख मूंद कर बैठे हैं।

कांग्रेस ने आदिवासियों को केवल वोट बैंक समझा, भाजपा सरकार ने दिया वास्तविक नेतृत्व और अधिकार : मरकाम

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परम्परा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने कांग्रेस पार्टी के अनुसूचित जनजाति विरोधी राजनीतिक चरित्र पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि कांग्रेस ने दशकों तक आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया, जबकि भाजपा ने आदिवासियों को वास्तविक सशक्तीकरण, सम्मान और शासन में सर्वोच्च नेतृत्व प्रदान किया है। श्री मरकाम ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में भाजपा की संवेदनशील सरकार में आदिवासी समाज का गौरव पूरे देश में बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परम्परा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री मरकाम ने शीर्ष नेतृत्व और प्रतिनिधित्व की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में स्वयं आदिवासी समाज के सपूत कमान सम्भाल रहे हैं। साथ ही मंत्रिमण्डल में दो सशक्त कैबिनेट मंत्रियों सहित विभिन्न निगमों, मंडलों और आयोगों में अजजा वर्ग को भरपूर प्रतिनिधित्व देकर नीति-निर्माण के केंद्र में स्थापित किया गया है। इसी प्रकार बस्तर विकास प्राधिकरण और सरगुजा विकास प्राधिकरण पूरी सक्रियता के साथ दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के विस्तार में जुटे हैं। इन प्राधिकरणों के माध्यम से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप तेजी से विकास कार्य स्वीकृत हो रहे हैं। आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं का उल्लेख कर श्री मरकाम ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण दर में ऐतिहासिक वृद्धि कर संग्राहकों को सीधा आर्थिक लाभ पहुँचाया जा रहा है।

अवैध रेत की काली कमाई पर्यावरण और कानून व्यवस्था के लिए गंभीर संकट बन चुकी है : कांग्रेस

■ सड़कों के किनारे और गोठानों में अवैध रेत के पहाड़, अंतर्राज्यीय रेत तस्करी जोरों पर

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में अवैध रेत की काली कमाई पर्यावरण और कानून व्यवस्था के लिए एक गंभीर संकट बन चुकी है। सामान्य तौर पर 15 जून से 15 अक्टूबर तक रेत उत्खनन में पूर्ण प्रतिबंध रहता है, लेकिन छत्तीसगढ़ में रेत माफिया मानसून (बारिश) के दौरान भी नदी से खनन कर रहे हैं, नदियों में पनडुब्बी मशीने लगाकर रेत निकाला जा रहा है, रोक लगने से पहले भी भारी मात्रा में अवैध रेत निकालकर खेतों, गांवों और नदी के कैचमेंट एरिया के पास, सड़कों के किनारे और गोठानों की सरकारी जमीनों में बड़े-बड़े पहाड़ जैसे अवैध भंडारण (स्टॉक) खड़े कर दिए गए हैं ताकि बाद में उन्हें ऊंचे दामों पर बेचा जा सके। हालिया मामले रायपुर जिले के समोदा, कुरुद और करमंदी इलाकों में महानदी को बुरी तरह काटकर रेत के ऊंचे पहाड़ बना दिए गए हैं। बिलासपुर में अरपा और शिवनाथ नदी के पास, जशपुर की शंख नदी और बलौदाबाजार में भी बड़े पैमाने पर अवैध भंडारण पकड़ा गया है। दुर्ग में शिवनाथ, बिलासपुर में अरपा, मनियारी, गरियाबंद में पैरी और बस्तर में शबरी, शंखनी, डंकनी, नारंगी और इंद्रावती में भी यही हाल है।

राखी से पहले मिला सम्मान और स्नेह का उपहार, महतारी वंदन से सशक्त हुआ परिवार

■ राखी पर्व से पूर्व 31वीं किस्त देकर विष्णु भैया ने बढ़ाया हम बहनों का मान : मंजू ध्रुव

बलौदाबाजार भाटापारा (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता, सम्मान और आत्मविश्वास का आधार बन रही है। ग्राम बिटकुली की श्रीमती मंजू ध्रुव भी ऐसी ही महिला हैं, जिन्होंने शासन की योजनाओं और स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया है।

मंजू बताती हैं कि उन्हें महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। स्व-सहायता समूह से होने वाली आय और महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में कर रही हैं। रक्षाबंधन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त प्राप्त होने से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। समय से पहले राशि मिलने से रक्षाबंधन की खुशियां और भी बढ़ गई हैं। यह राशि उनके लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि एक भाई की ओर से बहनों के लिए सम्मान और स्नेह का उपहार है। मंजू कहती हैं - इस रक्षाबंधन पर हमारे विष्णु भैया ने हम सभी बहनों को बहुत खूबसूरत तोहफा दिया है। रक्षाबंधन से पहले 31वीं किस्त मिलने से हमारी खुशियां दोगुनी हो गई हैं।

राखी के पूर्व बहनो को सौगात, महतारी वंदन योजना की 31वीं किश्त : शताब्दी पाण्डे

■ महतारी वन्दन योजना के तहत कुल 20076 करोड़ रूपए बहनों के खातों मे हस्तांतरित किए गए : भाजपा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डे ने कहा है कि माह सितम्बर की 31वीं किश्त की राशि अंतरित की गई है। श्रीमती पाण्डे ने कहा यह राखी त्यौहार को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रदेश सरकार द्वारा राखी के पूर्व बहनों को यह भेंट दी गई है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डे ने कहा कि कल 25 अगस्त को जिला बालोद में महतारी वंदन सम्मान समारोह के आयोजन के दौरान 31वीं किश्त का भुगतान किया गया। माह सितम्बर 2026 की 31वीं किश्त के भुगतान ई-केवायसी करा चुकीं कुल 67,28,918 हितग्राहियों को कुल राशि 631,38,37,700 रुपये का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया गया। इनमें नियद नेल्लानार के हितग्राहियों के 6,897 हितग्राही भी शामिल है, जिन्हें 11वीं किश्त का भुगतान हुआ है। इस प्रकार अब तक कुल 20076 करोड़ रुपये का भुगतान बहनों को किया गया।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डे बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार समाज के हर वर्ग तक महतारी वन्दन योजना का लाभ पहुँचाने के लिए कटिबद्ध है। प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुरूप छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री श्री साय ने महिलाओं को महतारी वन्दन योजना के माध्यम से राशि उपलब्ध कराने का कार्य शुरू किया है। भाजपा सरकार प्रदेश की हर माता और बहन के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा से समर्पित है। महतारी वन्दन योजना की 31वीं किश्त जारी होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमती पाण्डे ने इसे प्रदेश सरकार का नारी सशक्तीकरण की दिशा में बढ़ता कदम बताया और कहा कि भाजपा सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है।

जशपुर में कॉफी उत्पादन की संभावना को लेकर उद्यानिकी महाविद्यालय कुनकुरी द्वारा प्रयास

जशपुर (विश्व परिवार)। उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, कुनकुरी, जशपुर द्वारा डॉ. जानसन लकड़ा के मार्गदर्शन में ग्राम ढोढीडांड में एक दिवसीय कॉफी पौध रोपण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY), छत्तीसगढ़ शासन तथा महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग के सहयोग से किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र में वानिकी एवं फलदार वृक्षों पर आधारित कॉफी उत्पादन का मॉडल विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम ढोढीडांड में कॉफी पौधों के रोपण कार्यक्रम के साथ उद्यानिकी महाविद्यालय, कुनकुरी के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

COM/C/G/R/E-Auction/26 Date: 25.08.2026

क्र.सं.	संक्षिप्त विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी समय
1.	रायपुर रेलवे स्टेशन पर PF नंबर 05/06 पर गिफ्ट/स्मारिका की दुकान के लिए निविदा।	04.09.2026	15:00 15:30
2.	आर.एस.डी. गुड्स शेड में लाइन नंबर 03 के पास खाली इमारत के संचालन और रखरखाव के लिए निविदा।	09.09.2026	15:00 15:30
3.	दुर्ग स्टेशन पर डिजिटल लॉकर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निविदा।	10.09.2026	15:00 15:30
4.	दुर्ग स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष की सुविधा स्थापित करने के लिए निविदा।	10.09.2026	15:00 15:30

सभी ई-नीलामी अधिसूचना का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

पीआर/आर/एसआर.डीसीएम/पीसीएन/191 मंडल वाणिज्य प्रबंधक/रायपुर

f South East Central Railway X @secrail

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 27 अगस्त 2026

नगरीय निकायों के पेंशनरों को महंगाई राहत

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगरीय निकायों के पेंशनरों के महंगाई राहत में वृद्धि की है। सातवें वेतनमान के पेंशनरों को अब 58 प्रतिशत और छटवें वेतनमान के पेंशनरों को 257 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत दिया जाएगा। पेंशनरों और परिवार पेंशनधारियों को 1 जनवरी 2026 से इसका लाभ मिलेगा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक को महंगाई राहत में बढ़ोतरी का पत्र जारी किया है। नगरीय प्रशासन विभाग ने 1 सितम्बर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक की अवधि के लिए भी महंगाई राहत में वृद्धि की है।

प्रदेश के शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में जोड़ रही राज्य सरकार : मुख्यमंत्री साय

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाबा कर्मेश्वर का किया रुद्राभिषेक
- प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

बलरामपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम कर्रा में आयोजित श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्राचीन बाबा कर्मेश्वर धाम में भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर ग्राम कर्रा में मंगल भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बाबा कर्मेश्वर की कृपा से यह क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े, इसके लिए राज्य सरकार आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम कर्रा की पावन भूमि पर श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा का आयोजन होना अत्यंत सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कथावाचक आचार्य दिव्यानंद जी महाराज को नमन करते हुए आयोजन समिति और समस्त श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पवित्र श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। भगवान भोलेनाथ से यही प्रार्थना है कि उनकी कृपा पूरे छत्तीसगढ़ पर बनी रहे और प्रत्येक परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास हो।

छत्तीसगढ़ की विरासत को सहेजने और संवारने का हो रहा कार्य

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ धर्म, संस्कृति और आस्था की समृद्ध परंपराओं की भूमि है। यह माता कौशल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। प्रदेश के गांव-गांव में प्राचीन शिवालयों, देवी मंदिरों और लोक आस्था के केंद्रों की गौरवशाली परंपरा रही है। राज्य सरकार इस समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे।

लगभग 50 हजार श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से गहरा और आत्मीय संबंध है। राज्य सरकार की श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल रहा है। अब तक लगभग 50 हजार श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन कर चुके हैं।

एनएमडीसी डीएवी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भांसी के प्रशिक्षुओं का शानदार प्रदर्शन

- छत्तीसगढ़ राज्य स्तर पर 10 प्रशिक्षुओं ने शीर्ष दस स्थानों में बनाई जगह

बचेली (विश्व परिवार)। एनएमडीसी डीएवी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भांसी के प्रशिक्षुओं ने अखिल भारतीय व्यवसायिक परीक्षा 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। कुल 10 प्रशिक्षुओं ने छत्तीसगढ़ राज्य स्तर पर शीर्ष दस स्थानों में जगह बनाकर अपनी प्रतिभा, मेहनत एवं उत्कृष्ट प्रशिक्षण का परिचय दिया है।

संस्थान के मैकेनिक मोटर व्हीकल ट्रेड के अंतिम वर्ष के प्रशिक्षुओं ने विशेष सफलता प्राप्त की, जिसमें प्रीतम दास ने प्रथम स्थान, रुद्र प्रताप दुर्गा ने द्वितीय स्थान तथा हर्ष कुमार ने सातवां स्थान प्राप्त किया।

वहीं मैकेनिक मोटर व्हीकल ट्रेड के प्रथम वर्ष में संदीप सोना ने प्रथम स्थान, मोतीराम ने छठवां स्थान तथा विशाल ने नौवां स्थान प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया।

डीजल मैकेनिक ट्रेड में देवकुमार साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वेल्डर ट्रेड में रिया शर्मा ने आठवां स्थान तथा इलेक्ट्रीशियन ट्रेड के प्रथम वर्ष में बुधराम ने तृतीय स्थान एवं स्नेहा मंडल ने दसवां स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि पर एनएमडीसी डीएवी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भांसी के प्राचार्य, सभी प्रशिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सफल प्रशिक्षुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

एनएमडीसी डीएवी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भांसी दंतेवाड़ा जिले का एक प्रतिष्ठित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था है, जो एनएमडीसी लिमिटेड के सामाजिक नैगमिक दायित्व के सहयोग से संचालित है। संस्थान में फिटर, वेल्डर, मोटर वाहन यांत्रिकी, डीजल यांत्रिकी एवं विद्युत व्यवसाय जैसे रोजगारपरक व्यवसायों में युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

रायपुर रेल मंडल के स्टेशनों पर प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीन की सुविधा

- रायपुर स्टेशन पर प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीन से होगा प्लास्टिक कचरे का बेहतर प्रबंधन

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। यात्रियों द्वारा उपयोग के बाद छोड़ी जाने वाली प्लास्टिक बोतलों के पुनर्चक्रण एवं उचित निपटान के लिए रायपुर रेलवे स्टेशन पर प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीन लगाने की योजना बनाई गई है। यात्रियों को यह सुविधा शीघ्र ही उपलब्ध होने लगेगी।

रायपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्मों पर कुल 06 प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीनें स्थापित की जाएंगी। इन मशीनों के माध्यम से यात्रियों द्वारा उपयोग के बाद फेंकी जाने वाली प्लास्टिक बोतलों को मौके पर ही क्रश किया जा सकेगा। क्रश की गई प्लास्टिक सामग्री का पुनर्चक्रण किया जाएगा। इससे स्टेशन परिसर में प्लास्टिक कचरे के उचित प्रबंधन में मदद मिलेगी तथा प्लास्टिक बोतलों को इधर-उधर फेंके जाने की समस्या को कम किया जा सकेगा। रायपुर रेल मंडल द्वारा इस सुविधा का विस्तार अन्य प्रमुख स्टेशनों तक करने की भी योजना है। आगामी चरण में दुर्ग, भाटापारा, तिल्दा-नेवरा एवं भिलाई पावर हाउस स्टेशनों पर भी प्लास्टिक बॉटल क्रशर मशीन स्थापित करने की योजना है।

प्लास्टिक बोतलों के संग्रहण, क्रशिंग एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था से प्लास्टिक अपशिष्ट को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित करने में सहायता मिलेगी। इससे स्टेशनों की स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ पर्यावरण पर प्लास्टिक कचरे के दुष्प्रभाव को कम करने में भी योगदान मिलेगा।

एनटीपीसी सीपत में 'संकल्प' निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम का शुभारंभ

- शासकीय विद्यालयों के 100 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मिलेगी निःशुल्क कोचिंग

सीपत (विश्व परिवार)। एनटीपीसी सीपत ने अपने सामाजिक दायित्व और सामुदायिक विकास पहलों के अंतर्गत शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं नीट एवं जेई की तैयारी कराने के उद्देश्य से 'संकल्प' निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस विशेष शैक्षणिक पहल का औपचारिक उद्घाटन कलेक्टर (बिलासपुर) श्री संजय अग्रवाल, आईएएस तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस उप-महानिरीक्षक (बिलासपुर) श्री रजनेश सिंह, आईपीएस द्वारा परियोजना प्रमुख श्री स्वपन कुमार मंडल की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

'संकल्प' कार्यक्रम के माध्यम से आसपास के शासकीय विद्यालयों-जिनमें शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीपत, शासकीय हाईस्कूल दर्राभाटा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजी, तथा स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय (हिंदी व अंग्रेजी माध्यम) सीपत एवं पंधी शामिल हैं- के कक्षा 11वीं और 12वीं के कुल 100 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन किया गया है। पारदर्शिता एवं योग्यता के आधार पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के उपरांत दोनों कक्षाओं के लिए 50-50 विद्यार्थियों के पृथक बैच बनाए गए हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को सप्ताह में चार दिन, प्रतिदिन तीन घंटे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित एवं जीव विज्ञान विषयों का गहन मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री संजय अग्रवाल ने एनटीपीसी सीपत की इस पहल की सराहना की और कहा कि 'संकल्प' जैसी पहल सामुदायिक विकास के साथ-साथ क्षेत्र में शिक्षा के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अपनी शैक्षणिक यात्रा एवं चुनौतियों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करने, अपने लक्ष्य के प्रति संकल्पित रहने और इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में ऐसी ऊर्जा और आत्मविश्वास का निर्माण होना चाहिए, जिससे वे भविष्य में राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि संसाधनों की सीमाओं के बावजूद प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अवसर मिलना जरूरी है और ऐसी पहलें इसी दिशा में सार्थक प्रयास हैं।

मुख्यमंत्री के सम्मान में युवा मोर्चा मैदान में : अर्पित सूर्यवंशी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा को सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर उसके माध्यम से अपशब्द कहने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर भाजयुमो रायपुर शहर जिला इकाई द्वारा सिविल लाइन थाना रायपुर में ज्ञापन सौंपा गया है।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री अमित मैशेरी शाह एवं भाजयुमो जिला अध्यक्ष अर्पित सूर्यवंशी ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करने का सबको समान अधिकार है, पर विरोध जब मर्यादा को पार कर अभद्रता का रूप ले ले तो उसे विरोध नही कहा जाता। इसके विरुद्ध कड़ी-से-कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने भाजयुमो प्रदेशमंत्री विशाल पांडेय, प्रदेश मीडिया प्रभारी वासु शर्मा, जिला अध्यक्ष अर्पित सूर्यवंशी, जिला महामंत्री राज गायकवाड़, भाजपा पुरानी बस्ती मंडल अध्यक्ष केदार धनगर, जिला उपाध्यक्ष विशाल शुक्ला, जिलामंत्री श्लोक शर्मा, कार्यालय प्रभारी शुभ्रतो हलदर, अमितेश नामदेव, मंडल अध्यक्ष मुकेश यदु, विकास गुप्ता, महामंत्री आयुष धनगर, देव यादव, आर्यान्श, मनीष खरे, राज सेन, मोहक सोनी समेत बड़ी संख्या में युवा मोर्चा रायपुर शहर जिला के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिलासपुर-यलहंका-बिलासपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित परिचालन शुरू

बिलासपुर/रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा बिलासपुर से दक्षिण भारत के बीच रेल संपर्क को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बिलासपुर-यलहंका (बेंगलुरु) - बिलासपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस (18261/18262) का नियमित परिचालन आज 26 अगस्त 2026 से प्रारंभ किया गया।

यह रेल सेवा दोनों क्षेत्रों के बीच शिक्षा, रोजगार, व्यापार, उद्योग एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामाजिक एवं आर्थिक संपर्क को भी नई गति प्रदान करेगी। विशेष रूप से बेंगलुरु जैसे प्रमुख आईटी एवं औद्योगिक केंद्र से बिलासपुर क्षेत्र का सीधा रेल संपर्क मजबूत होने से विभिन्न वर्गों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

इस ट्रेन के साप्ताहिक नियमित परिचालन के अंतर्गत गाड़ी संख्या 18261 बिलासपुर- यलहंका (बेंगलुरु) साप्ताहिक ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 26 अगस्त 2026 से प्रत्येक बुधवार को एवं इसी प्रकार गाड़ी संख्या 18262 यलहंका(बेंगलुरु)-बिलासपुर साप्ताहिक ट्रेन यलहंका से दिनांक 27 अगस्त 2026 से प्रत्येक गुरुवार को चलाई जाएगी।

गाड़ी संख्या 18261 बिलासपुर-यलहंका (बेंगलुरु) साप्ताहिक ट्रेन 26 अगस्त 2026 से प्रत्येक बुधवार को बिलासपुर से 14.00 बजे रवाना होगी तथा भाटापारा आगमन 14.40 बजे, प्रस्थान 14.42 बजे, रायपुर आगमन 15.35 बजे, प्रस्थान 15.40 बजे, दुर्ग आगमन 16.25 बजे, प्रस्थान 16.30 बजे, राजनादगाँव आगमन 16.49 बजे, प्रस्थान 16.51 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 17.12 बजे, प्रस्थान 17.14 बजे, गोंदिया आगमन 18.15 बजे, प्रस्थान 18.25 बजे, वडसा आगमन 19.32 बजे, प्रस्थान 19.34 बजे, चांदाफोर्ट आगमन 21.18 बजे, प्रस्थान 21.20 बजे, बल्लारशाह आगमन 22.05 बजे, प्रस्थान 22.15 बजे, सिरपुर कागजनगर आगमन 22.59 बजे, प्रस्थान 23.00 बजे, मंचिर्याल आगमन 23.54 बजे, प्रस्थान 23.55 बजे, दूसरे दिन काजीपेट आगमन 01.38 बजे, प्रस्थान 01.40 बजे, चर्लपल्ली आगमन 03.08 बजे, प्रस्थान 03.10 बजे, सिकंदराबाद आगमन 05.55 बजे, प्रस्थान 06.05 बजे, लिंगमपल्ली 06.18 बजे, प्रस्थान 06.20 बजे, विकाराबाद आगमन 07.03 बजे, प्रस्थान 07.05 बजे, तांडूर आगमन 07.43 बजे, प्रस्थान 07.45 बजे, यादगीर आगमन 09.13 बजे, प्रस्थान 09.15 बजे, कृष्णा जंक्शन आगमन 09.50 बजे, प्रस्थान 10.00 बजे, रायचूर आगमन 10.28 बजे, प्रस्थान 10.30 बजे, मंत्रालयम रोड आगमन 10.53 बजे, प्रस्थान 10.55 बजे, गुंटकल आगमन 12.25 बजे, प्रस्थान 12.35 बजे, गुत्ती आगमन 13.03 बजे, प्रस्थान 13.05 बजे, अनंतपुर आगमन 13.23 बजे, प्रस्थान 13.25 बजे, धर्मवरम आगमन 14.55 बजे, प्रस्थान 15.00 बजे, तथा 19.00 बजे यलहंका स्टेशन पहुंचेगी।

कृषि विश्वविद्यालय में तीसरी बार पेपर लीक

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में लगातार तीसरी बार पेपर लीक होना भाजपा सरकार के पेपर लीक रोकने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के दावों की पोल खोल रहा है। सरकार हर बार जांच और कठोर कार्रवाई की बात करती है, लेकिन पेपर लीक का खेल लगातार जारी है। इससे साफ है कि सरकार की कार्रवाई सिर्फ बयानबाजी तक सीमित है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रथम वर्ष के ''फंडामेंटल ऑफ जेनेटिक्स'' का पेपर 19 अगस्त को सुबह 10 बजे होना था, लेकिन उसी दिन सुबह करीब 4 बजे पेपर लीक हो गया। परीक्षा से कुछ घंटे पहले पेपर बाहर आ जाना विश्वविद्यालय की पूरी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सजगता से संभव है विद्युत दुर्घटना से बचाव : भीम सिंह

- सुरक्षा जागरूकता पुस्तिका एवं पोस्टर विमोचित

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने कहा है कि विद्युत किसी के लिए उदार नहीं हो सकती ऐसे में दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सजगता ही एकमात्र तरीका है। श्री कंवर ने आम विद्युत उपभोक्ताओं एवं विद्युत कर्मियों में सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने हेतु 'सजगता से सुरक्षा' विषयक पुस्तिका, पोस्टर एवं विडियो फिल्म के विमोचन अवसर पर यह बातें कहीं। कंपनी मुख्यालय परिसर में आयोजित एक सादे समारोह में श्री कंवर ने कहा कि सुरक्षा हर समय जरूरी है और बिजली के मामले में सजगता से ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया कि सुरक्षा जागरूकता संबंधी इन पोस्टरों एवं पुस्तिकाओं का अधिक से अधिक प्रचार करें तथा सुरक्षा के प्रति लोगों में सजगता बढ़ाने के लिये अपने नागरिक कर्तव्य का भी पालन करें।

श्री भीम सिंह कंवर ने इस अवसर पर विद्युत बचत के उपायों संबंधी पोस्टर का भी विमोचन किया। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं की सहुलियत के लिए जागरूकता संबंधी सभी सामग्री कंपनी के मोर बिजली एप तथा वेबसाइट में भी अपलोड की गई है। पुस्तिका में विभिन्न कारणों से होनी वाली विद्युत दुर्घटनाओं तथा उससे बचाव के लिए आवश्यक सजगता के बारे में सरल शब्दों तथा चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। वहीं संक्षिप्त वीडियो फिल्म में छत्तीसगढ़ी गीत के मध्यम से विदयुत दुर्घटनाओं से बचने के उपायों को संगीत के माध्यम से आम उपभोक्ताओं तक पहुँचाने का प्रयास किया गया है। विमोचन अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एस.आर.बी. खण्डेलवाल, श्री एस.के. ठाकुर, श्री ए.एम. परियल, मुख्य अभियंता श्री राजेन्द्र प्रसाद, श्री मधुकर जामुलकर, श्रीमती चन्द्रकला गिडवानी, महाप्रबंधक श्री नवीन ठाकुर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकरी मौजूद थे।

सेंट्रल इंडिया में ऑटोमोटिव रिटेल ग्रोथ में उत्कृष्टता के लिए पुनीत परवानी को सम्मानित किया गया

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। जीके ग्रुप के निदेशक, श्री पुनीत परवानी को द इकोनॉमिक टाइम्स के 'ईटी ऑटो' द्वारा हयात रेजिडेंसी, नई दिल्ली में 25 अगस्त, 2026 को आयोजित 9वें ईटी ऑटो रिटेल फोरम 2026 & ओईएम-डीलर सिनर्जी के दौरान 'ईटी ऑटो रिटेल ऑनर्स & डीलर एक्सीलेंस इन ग्रोथ (सेंट्रल)' से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान श्री परवानी की विज़नरी लीडरशिप, विकास के प्रति रणनीतिक दृष्टिकोण और सेंट्रल इंडिया में ऑटोमोटिव रिटेल के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सराहता है। यह पुरस्कार एक मजबूत, ग्रोथ-ओरिएंटेड ऑटोमोटिव रिटेल बिजनेस के निर्माण और तेजी से बदलते इस उद्योग में कंपनी को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के उनके प्रयासों का नतीजा है।

यह पुरस्कार ईटी ऑटो के डिप्टी एडिटर श्री दीपांशू तोमर द्वारा, देश भर के अग्रणी ओईएम, डीलर प्रिंसिपल्स और ऑटोमोटिव उद्योग के प्रमुख हितधारकों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया।

श्री परवानी के नेतृत्व में, जीके ग्रुप ने ऑटोमोटिव और मोबिलिटी इकोसिस्टम के कई सेगमेंट में अपनी उपस्थिति को लगातार मजबूत बनाया है। उनका मुख्य फोकस कस्टमर सेंट्रिक होने, उत्कृष्ट संचालन, आधुनिक तकनीक, इनोवेशन और सस्टेनेबल बिज़नेस ग्रोथ को एक साथ जोड़कर ऐसा बिजनेस तैयार करने पर रहा है, जो ऑटोमोटिव इंडस्ट्री की बदलती जरूरतों के पूरी तरह अनुकूल हों।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, जीके ग्रुप के निदेशक, श्री पुनीत परवानी ने कहा: 'ईटी ऑटो और द इकोनॉमिक टाइम्स से यह सम्मान पाकर मैं बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। बदलती ग्राहक अपेक्षाओं, नई तकनीक, डिजिटलाइजेशन और आधुनिक मोबिलिटी के कारण ऑटोमोटिव रिटेल इस समय एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। जीके ग्रुप में, हमारा विश्वास है कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट इस बात से तय होता है कि हम लगातार कस्टमर एक्सपीरियंस को कितना बेहतर बनाते हैं, अपने स्टाफ और वर्क प्रोसेस को कितना मजबूत करते हैं और उद्योग की बदलती चाल के साथ खुद को कितना ढाल पाते हैं। यह सम्मान हमारी पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों और हमारे कस्टमर्स तथा पार्टनर्स के अटूट भरोसे को दर्शाता है।'

9वें ईटी ऑटो रिटेल फोरम 2026 में ओईएम, डीलरशिप, ऑटोमोटिव फाइनेंस और इससे जुड़े अन्य सेक्टरों के बड़े लीडर्स एक मंच पर एकत्र हुए, ताकि बदलते ऑटोमोटिव रिटेल परिदृश्य और ओईएम-डीलर के बीच के संबंधों पर गहराई से मंथन किया जा सके। इस फोरम की चर्चाएं आपसी सहयोग को मजबूत करने, कस्टमर एक्सपीरियन्स को ऊंचे स्तर पर ले जाने और ऑटोमोटिव रिटेल इकोसिस्टम को विकास के अगले चरण के लिए तैयार करने पर केंद्रित रहीं।

यह सम्मान जीके ग्रुप के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो ऑटोमोटिव सेक्टर में इसकी बढ़ती मजबूत स्थिति और बेहतर परफॉरमेंस, कस्टमर सेंट्रिक एवं भविष्य के लिए तैयार बिज़नेस के निर्माण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354